● वर्ष-2
● अंक-271
रायपुर, बुधवार
05 जुलाई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

एनसीपी सरकार में है या विपक्ष: नार्वेकर

महा विकास अघाड़ी भाजपा सरकार के खिलाफ एकजुट, राज्यव्यापी यात्रा शुरू करेगी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि उन्हें अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शिवसेना-भाजपा सरकार का हिस्सा है या अभी भी विपक्ष में है। राहुल नार्वेकर ने यह भी कहा कि यह देखना बाकी है कि एनसीपी का असली नेता कौन है. राहुल नार्वेकर ने महाराष्ट्र में हालिया घटनाक्रम के बारे में बात करते हुए यह बात कही, जहां एनसीपी के अजीत पवार ने कुछ अन्य पार्टी विधायकों के साथ सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा सरकार को समर्थन देने का वादा किया।

राहुल नार्वेकर ने कहा कि राकांपा के दोनों गुटों में से किसी ने भी (अजित पवार के भतीजे और पार्टी के संस्थापक शरद पवार के नेतृत्व वाले दूसरे गुट न) उन्हें पार्टी में विभाजन के बारे में सूचित करने वाला पत्र नहीं दिया है। अजित पवार और आठ विधायकों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद राकांपा में विभाजन हो गया, जिससे उनके चाचा शरद पवार को झटका लगा, जिन्होंने 24 साल पहले संगठन की स्थापना की थी। विशेष रूप से, 2 जुलाई को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले अजीत पवार विधानसभा में विपक्ष के नेता थे।

एक दिन बाद, एनसीपी के दोनों गुटों ने संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए

बर्खास्तगी की होड़ शुरू कर दी और एक-दूसरे के खेमे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की है। राहुल नार्वेकर ने कहा कि जैसा कि मैंने देखा, कोई गुट नहीं हैं। मैं एनसीपी को एक के रूप में देखता हूं।

एमवीए निकालेगी यात्रा

महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) शि सेना-भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए राज्यव्यापी यात्रा शुरू करेगी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की और उनकी पार्टी में संकट के बीच उनके साथ एकजुटता व्यक्त की। इसके अलावा उद्धव ठाकरे गुट की भी बैठक हुई। वरिष्ठ नेता अजित पवार के आठ विधायकों के साथ मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने के बाद राकांपा मंथन में है। अजित पवार खेमे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 53 में से 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया है।

उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सहित पूरे देश में जो उथल पुथल चल रही है हमने उस पर आज बैठक में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव और यूसीसी पर चर्चा हुई है। कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना एमवीए के बैनर में साथ हैं। शरद पवार अकेले नहीं हैं हम सब उनके साथ हैं।

कांग्रेस का दावा

कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में भाग लेने के बाद, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और कार्यकारी अध्यक्ष नसीम खान शरद पवार से मिलने वाईबी चव्हाण केंद्र गए। पटोले ने राकांपा प्रमुख से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, जिस तरह से भाजपा ने राकांपा विधायक दल में विभाजन कराया, कांग्रेस उसकी निंदा करती है। एमवीए एकजुट रहेगी और भाजपा को हराएगी। कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि मौजूदा संकट को देखते हुए एमवीए मजबूत होकर उभरेगा क्योंकि लोग हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस एकजुट है। शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं और हम सभी मार्गदर्शन के लिए उनसे उम्मीद करते हैं।

मोदी जैसा कोई दूसरा नेता नहीं: अजित

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके जैसा कोई नेता नहीं है। 63 वर्षीय नेता ने बीते दिनों अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को तोड़ भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) सरकार में उप मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने

दक्षिण मुंबई में अपने नए एनसीपी कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश उनके (मोदी के) नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। हम उनका समर्थन करने के लिए सरकार में शामिल हुए हैं। उनका कोई विकल्प नहीं है।

इससे पहले जब अजित पवार से सवाल किया गया कि उन्होंने शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल होने का फैसला क्यों किया, तो उन्होंने जवाब दिया था कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पीएम मोदी देश के विकास की दिशा में काम कर रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने प्रधानमंत्री की सराहना की है। सातवीं बार राज्य के डिप्टी सीएम बने अजित पवार ने कई मौकों पर मोदी की तारीफ करते हुए ऐलान किया था कि वह कभी भी एनसीपी नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, रविवार को उन्होंने छगन भुजबल, दिलीप वालसे पाटिल, संजय बनसोडे और अदिति तटकरे सहित आठ अन्य राकांपा विधायकों के साथ सत्तारूढ़ सरकार में शामिल होने की शपथ ली। अजीत पवार ने संकेत दिया है कि राज्य मंत्रालय में विभागों के आवंटन की घोषणा तुरंत नहीं की जा सकती है।

इन दिनों

नीरज कुमार

नीतीश का नंबर भी आयेगा

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अंदर मची उठापटक के बाद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में जनता दल युनाइटेड और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को पार्टी में टूट का खतरा सताने लगा है। ऐसा ही डर कुछ और छोटी पार्टियों को भी है। लेकिन सबसे ज्यादा घबराहट जनता दल युनाइटेड खेमे में देखी जा रही है। जनता दल युनाइटेड की यह घबराहट स्वाभाविक भी है क्योंकि उसने भाजपा को जो धोखा दिया था उसका जवाब अब तक नहीं दिया है। दरअसल महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ उसका एक बड़ा कारण यह भी है कि 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह को चुनाव परिणाम बाद उद्धव ठाकरे ने धोखा दे दिया था। यही नहीं, हाल ही में शरद पवार भी यह बात स्वीकार कर चुके हैं कि चुनाव परिणाम के बाद वह भाजपा के साथ सरकार बनाने को राजी हो गये थे हालांकि तीन-चार दिनों में ही उन्होंने पलटी मार ली थी। इस तरह से शरद पवार ने भी अमित शाह को धोखा दिया था। सही समय आने पर शरद पवार की पार्टी में बगावत हो गयी। स्थिति यह हो गयी है कि अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार भाजपा से लड़ाई लड़ने की बजाय अपनी पूरी शक्ति अपनी पार्टी पर कब्जा बनाये रखने में लगाते रहेंगे। इसलिए महाराष्ट्र के घटनाक्रम को देखते हुए अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लग रहा है कि उन्हें भी राजनीतिक सबक सिखाये जाने का समय आ चुका है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान जनता के बीच नीतीश कुमार के खिलाफ माहौल होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट मांगा था। यही नहीं, प्रधानमंत्री की दी गयी जुबान की लाज रखते हुए ही भाजपा ने अपनी पार्टी के ज्यादा विधायक होने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना दिया था। लेकिन नीतीश कुमार ने जब पिछले साल भाजपा को सरकार से बाहर कर विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल से हाथ मिला लिया था तबसे वह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ महागठबंधन बनाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। देखा जाये तो नीतीश कुमार ने केंद्र की सत्ता से मोदी सरकार को हटाने के लिए पूरी जान लगा रखी है। हालांकि जबसे नीतीश साथ छोड़ कर गये हैं तबसे प्रधानमंत्री ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। लेकिन अब माना जा रहा है कि भाजपा जदयू को कोई बड़ा राजनीतिक सबक सिखा सकती है। दरअसल इसका मौका खुद जदयू ही भाजपा को दे रही है। लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे पास आ रहे हैं, वैसे-वैसे मोदी के नाम पर पिछला चुनाव जीते जदयू सांसदों की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं और वह पाला बदलने की कोशिशों में लगे हैं। इसके साथ ही जिस तरह नीतीश ने पिछले दिनों तेजस्वी यादव को भविष्य का नेता बताया था उसको देखते हुए जदयू के कई विधायकों के मन में भी बेचैनी है। इसीलिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कह रहे हैं कि जदयू में बिखराव होने वाला है। हालांकि जदयू अध्यक्ष ललन सिंह कह रहे हैं कि हमारी पार्टी एकजुट है और बिहार में ऑपरेशन लोटस सफल नहीं हो सकता। देखना होगा कि बिहार में आने वाले दिनों में राजनीतिक घटनाक्रम क्या रहता है? यह भी देखना होगा कि क्या विपक्ष की अगली बैठक से पहले ही जनता दल युनाइटेड में बगावत का बिगुल बजता है। इस बात की आशंका इसलिए है क्योंकि विपक्ष की पिछली बैठक से पहले जीतन राम मांझी की पार्टी ने बिहार में सत्तारुढ़ महागठबंधन को झटका देते हुए सरकार से अलग होकर एनडीए का दामन थाम लिया था। बहरहाल, अब खबर है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की कवायद को गति देने के लिए प्रमुख विपक्षी पार्टियों की आगामी बैठक 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में होगी। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस समेत 15 से अधिक विपक्षी दलों ने गत 23 जून को पटना में बैठक की थी जिसमें उन्होंने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ने और आगे बढ़ने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। विपक्षी दलों की अगली बैठक ऐसे समय होने जा रही है जब महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दो फाड़ हो गई ह

4 राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी की विकास यात्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 जुलाई को उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ का व्यस्त दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच शहरों-गोरखपुर, वाराणसी, रायपुर, वारंगल और बीकानेर में लगभग एक दर्जन कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह लगभग 50,000 करोड़ की लगभग 50 परियोजनाओं का अनावरण, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री 7 जुलाई को रायपुर से अपने व्यापक दौरे की शुरुआत करेंगे, जहां वह कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

करेंगे। इनमें रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर के विभिन्न छह-लेन खंडों का शिलान्यास शामिल है। इसके बाद वह एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेंगे। रायपुर से मोदी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जाएंगे जहां वह धार्मिक पुस्तकों के प्रसिद्ध प्रकाशक गीता प्रेस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह 3 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखेंगे।

गोरखपुर के बाद पीएम मोदी अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में होंगे। वह कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से सोन नगर तक डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की नई लाइन समर्पित करेंगे। वह एनएच-56 (वाराणसी-जौनपुर) के चार लेन चौड़ीकरण का भी लोकार्पण करेंगे। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट के नवीनीकरण की आधारशिला भी रखेंगे।

8 जुलाई को पीएम मोदी वाराणसी से तेलंगाना के वारंगल तक यात्रा करेंगे। वह नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर के प्रमुख खंडों सहित विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री एनएच-563 के करीमनगर-वारंगल खंड की चार लेन की आधारशिला भी रखेंगे। इसके बाद, वह वारंगल में एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेंगे।

रायपुर। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली की खण्डपीठ द्वारा जिले के तोकापाल ब्लॉक मुख्यालय में बाल अधिकार सम्बन्धी प्रकरणों के निराकरण हेतु शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य सचिव श्रीमती रूपाली बेनर्जी सिंह और छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्रीमती संगीता गजभिये ने आवेदकों से रूबरू होकर बाल अधिकारों से सम्बंधित समस्याओं को सुना और प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की

प्रमुख समाचार

सरकार कर रही मुनाफाखोरी, प्रधानमंत्री हैं महंगाईमैन: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सब्जियों और कई खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का हवाला देते हुए मंगलवार को केंद्र सरकार पर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी 'महंगाई मैन' हैं, जिनकी सरकार में देश की जनता महंगाई से बेहाल है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार से यह आग्रह भी किया कि वह जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए और डीजल की कीमत में कमी सुनिश्चित करे। वह संवाददाता सम्मेलन में सब्जी की टोकरी, बिस्किट, चाय, मूंगफली और चटनी के पैकेट लेकर पहुंची थीं। उन्होंने कहा, ''आटा, तेल, दाल, सब्ज़ी, फल सबकी क़ीमतें आसमान छू रही हैं। जनता त्रस्त है, साहेब मस्त हैं! हमने सुपर मैन देखा, स्पाइडर मैन देखा...अब महंगाई मैन को देख रहे हैं। वह जहां जाते हैं, वहां महंगाई बढ़ जाती है...इस 'महंगाई मैन' का नाम नरेन्द्र मोदी है।'' उन्होंने टमाटर के 150 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बिकने और कुछ अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का उल्लेख किया। सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया।

टिपरा मोथा प्रमुख ने राजनीति छोड़ने का किया ऐलान

नयी दिल्ली। टिपराहा इंडिजिनस प्रोग्रेसिव रीजनल अलायंस (टीआईपीआरए मोथा) के प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मा ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने राजनीति और सार्वजनिक जीवन छोड़ने का फैसला किया है। देब बर्मा द्वारा प्रकाशित एक वीडियो संदेश में, शाही वंशज को यह कहते हुए सुना जाता है कि मैंने लोगों को कुछ देने और राजनीति और सार्वजनिक जीवन छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंन अपने बयान में कहा कि मैं अब राजनीति नहीं करना चाहता, मैं लोगों को कुछ देना चाहता हूं। मैंने लोगों को कुछ देने और राजनीति और सार्वजनिक जीवन छोड़ने का फैसला किया है। एक मिनट लंबे वीडियो में देब बर्मा यह भी कहते हैं, %एमपी बनने से कुछ नहीं मिलेगा%। अब लोगों के लिए कुछ करूंगा। यह कदम टीआईपीआरए मोथा प्रमुख द्वारा पार्टी नेताओं के साथ शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने और उनसे ग्रेटर टिपरालैंड की मांग के लिए संवैधानिक समाधान लाने का आग्रह करने के दो दिन बाद आया है। टीआईपीआरए मोथा पार्टी के प्रमुख ने कहा था कि हमने ग्रेटर टिपरालैंड की मूल मांग, ग्रेटर टिपरालैंड के संवैधानिक समाधान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

पाक पीएम ने भारतीय मुस्लिमों और कश्मीर का राग अलापा

नयी दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन की 23वीं बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद को लेकर किए गए करारे प्रहार पर पड़ोसी मुल्का पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को मिर्ची लग गई है। एससीओ बैठक में आतंकवाद पर पाकिस्तान को घेरे जाने पर शहबाज शरीफ बौखला गए हैं। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने भारत और

मुस्लिमों का नाम लिए बिना ही निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को गलत बताते हुए उन्हें धमकाना नहीं चाहिए। शहबाज़ शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद से लड़ने को लेकर प्रतिबद्ध है लेकिन इसका इस्तेमाल राजनयिक हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। शरीफ ने आतंकवाद के बारे में भी कहा कि यह एक %सिर वाला राक्षस% है, जिसका स्रोत चाहे जो भी हो, इससे %पूरी प्रतिबद्धता% के साथ लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने भारत द्वारा आयोजित एक आभासी बैठक में कहा कि राज्य आतंकवाद सहित इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।

समान नागरिक संहिता का वक्त आ गया है: धनखड़

नयी दिल्ली। देश में समान नागरिक संहिता को लेकर एक अलग बहस छिड़ी हुई है। विधि आयोग ने विभिन्न धार्मिक संस्थानों और वर्गों के लोगों से उनकी राय मांगी थी। इसके बाद समान नागरिक संहिता पर लगातार चर्चा हो रही है। वही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने मध्य प्रदेश दौरे

के दौरान समान नागरिक संहिता का जिक्र कर दिया। भाजपा के कुछ नेता लगातार दावा कर रहे हैं समान नागरिक संहिता देश में लागू होकर रहेगा। वहीं, कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि भाजपा के पास कुछ काम बताने के लिए नहीं है, इसलिए वह यूसीसी को मुद्दा बना रही है। इन सबके बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ा बयान दिया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संविधान निर्माताओं की परिकल्पना के अनुरूप समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, संविधान के अनुच्छेद 44 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य देश भर में अपने नागरिकों के लिए यूसीसी को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा।

भाजपा ने सुनील जाखड़ को सौंपी पंजाब की कमान

नई दिल्ली। भाजपा 2024 चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में आज 4 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया गया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सुनील जाखड़ को बड़ा इनाम दिया गया है। सुनील जाखड़ को भाजपा ने पंजाब का प्रवेश अध्यक्ष बनाया है। कहीं ना कहीं कांग्रेस छोड़कर आने वाले जाखड़ के लिए यह बड़ा इनाम है। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि आखिर सुनील जाखड़ को ही भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष क्यों बनाया? सुनील जाखड़ अभी कुछ महीने पहले ही भाजपा में कांग्रेस छोड़कर शामिल हुए हैं। बात अगर सुनील जाखड़ की करें तो वह पंजाब में मजबूत राजनीतिक पकड़ रखते हैं। उनका पंजाब में काम करने का लंबा अनुभव है। वह पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ऐसे में पंजाब की परिस्थितियों से वह भलीभांति वाकिफ हैं। सुनील जाखड़ का पंजाब के गांव और शहरों दोनों ही क्षेत्रों में अच्छी पकड़ है। वह हिंदू और जाट समाज को एक साथ जोड़कर आगे बढ़ते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने शानदार काम किए थे। यही कारण है कि भाजपा ने भी उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस का एक बड़ा कैडर भाजपा में शामिल हुआ था जिसमें कैप्टन अमरिंदर सिंह का भी नाम था। वैसे नेताओं से सुनील जाखड़ के अच्छे संबंध हैं।

सियासी अटकलें

जदय में होगी फूट या नीतीश कुमार फिर से करेंगे एनडीए का रूख!

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। रविवार को, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार और आठ अन्य विधायक अलग हो गए और एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल हो गए। इसके साथ ही शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में विभाजन हो गया। इसके बाद से राजनीतिक हलचल खूब हो रही है। विपक्ष भाजपा पर जोड़-तोड़ की राजनीति करने का आरोप लगा रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा निगाहें अब बिहार पर आ चुकी हैं। नीतीश कुमार को लेकर भी कयासों का दौर शुरू हो गया है। इस बात की चर्चा खूब हो रही है कि महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में भी राजनीतिक उठापटक हो सकती हैं। इसका संकेत इस बात से भी मिल रहे हैं कि हाल में ही नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी जदयू के विधायकों के साथ 1-2-1 बैठक की थी। हालांकि, सवाल यह है कि आखिर बिहार को लेकर इतनी कयास क्यों लग रहे हैं? बिहार में तो महागठबंधन की सरकार मजबूती से चल रही है, हाल में ही नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता की बैठक की मेजबानी की थी। फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि सियासी चर्चा जबरदस्त तरीके से हो रही है।

बिहार में तख्तापलट करने के लिए भाजपा के लिए संख्या एक महत्वपूर्ण कारक है। सरकार पर दावा करने के लिए, वर्तमान में 74 सीटों वाली भाजपा को 243 सदस्यीय विधानसभा में 122 सीटों तक पहुंचने की जरूरत है। इसका मतलब है कि बीजेपी को 48 और विधायकों की जरूरत है। फिलहाल, सत्तारूढ़ गठबंधन के पास करीब 160 विधायक हैं। इसमें जदयू, राजद और कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं जो सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं। पिछले महीने, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (Ɋरू) ने नीतीश कुमार सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। चार विधायकों के

साथ Ɋरू पिछले साल सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हुई थी। हालांकि, अब वह एनडीए के साथ है।

जदयू में विद्रोह की स्थिति

भाजपा सांसद सुशील मोदी ने नीतीश कुमार पर तंज कसा है। सुशील मोदी ने कहा कि बिहार में भी बगावत की स्थिति बन रही है क्योंकि नीतीश कुमार ने पिछले 17 सालों में कभी भी विधायकों और सांसदों को मिलने का समय नहीं दिया। लोगों को साल भर इंतजार करना पड़ता था। अब वो प्रत्येक विधायक और सांसद को 30 मिनट दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से नीतीश कुमार ने राहुल गांधी को अगली लड़ाई के लिए नेता स्वीकार कर लिया और तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी बना दिया तभी से जनता दल में विद्रोह की स्थिति है।

नीतीश की एनडीए में वापसी!

पिछले तीन-चार दिनों की घटनाओं का विश्लेषण करें तो कई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जो संकेत दे रही हैं कि बिहार में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक संकट हो सकता है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार एक बार फिर एनडीए में वापसी कर सकते हैं। गौरतलब है कि नीतीश कुमार ने पिछले साल अगस्त में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ लिया था और महागठबंधन से हाथ मिला लिया था। नीतीश कुमार की अपनी पार्टी के विधायकों के साथ आमने-सामने की बैठक ने भी सबका ध्यान खींचा है और उनके अगले कदम पर सस्पेंस बरकरार रखा है। नीतीश कुमार ऐसा जल्दी करते नहीं हैं। दावा किया जा रहा है कि जदयू के सांसद और विधायक नीतीश के महागठबंधन में जाने से नाराज हैं।

पटना में नहीं हैं तेजस्वी

23 जून को विपक्षी दलों की बैठक के बाद तेजस्वी यादव विदेश दौरे पर हैं। सियासी उठापटक के बीच इस बात के भी संकेत मिले हैं कि राजद विपक्षी एकता की बैठक के बाद बहुत ज्यादा खुश नहीं है। साथ ही साथ खबर यह भी है कि राजद नीतीश कुमार की सरकार में थोड़ी ताकत चाहती है। राजद की ओर से कुछ महीने पहले इस तरह का दबाव बनाया गया था कि नीतीश कुमार विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बन जाए और तेजस्वी यादव को बिहार की कमान सौंप दें। इस बात को लेकर विपक्षी दलों की बैठक में सहमति नहीं बन पाई जिसकी वजह से राजद खेमे में नाराजगी देखने को मिली है। राजद को लग रहा है कि 2025 तक तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री पद से ही संतोष करना पड़ेगा।

जदयू नेताओं की चिंता

लोकसभा चुनाव में अभी भी 9 से 10 महीने का वक्त है। लेकिन नेता अपनी तैयारी शुरू कर चुके हैं। पिछली बार जदयू और भाजपा ने मिलकर एक साथ चुनाव लड़ा था और जबरदस्त जीत हासिल हुई थी। जदयू को 16 सीटें मिली थी। जदयू उम्मीदवार वहां जीतने में कामयाब रहे थे, जहां राजद मजबूत मानी जाती है। अब जदयू और राजद का गठबंधन है। ऐसे में जदयू के सांसदों को इस बात की चिंता सताने लगी है कि उनके टिकट का क्या होगा? महागठबंधन में कई दल शामिल है, ऐसे में जदयू कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसको लेकर भी असमंजस की स्थिति है। जदयू विधायकों को यह लगता है कि राजद का वोट हमें ट्रांसफर नहीं होगा। पिछले चुनाव में नीतीश से नाराजगी के बावजूद भी एनडीए की जीत हुई थी और इसका श्रेय पूरा का पूरा नरेंद्र मोदी को गया था।

विधायक व प्रशासन एक ही तालाब में कई मदों से कार्य कराकर कर रहा है भ्रष्टाचार : गागड़ा

विधायक विक्रम मंडावी मेरे टिकट की चिंता न करके वे स्वंय अपने टिकट की चिंता करें

बीजापुर। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने वर्तमान में कांग्रेस के विधायक विक्रम मंडावी और जिला प्रशासन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भैरमगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में शिव मंदिर तालाब का निर्माण किया गया है। इस तालाब का निर्माण पहले विधायक मद से किया गया अब उसी तालाब का निर्माण नगर पंचायत भी कर रहा है। कुटरू में भी खसरा नंबर 161 में वित्तीय वर्ष 2019 में तालाब निर्माण का कार्य किया गया था उसी तालाब में 2022 और 2023 भी मरम्मत का कार्य किया गया जो की सीधा-सीधा यहां संदेश देता है कि एक ही तालाब को अलग-अलग मदो से निर्माण और मरम्मत का कार्य कराकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

उन्होने कहा कि इस वर्ष पहली बारिश हुई तो इस तालाब का मिट्टी किसानों के खेतों में चला गया जिससे परेशान किसानों को अपने स्वयं के खर्चे पर मिट्टी को हटाना पड़ा। गागडा ने बताया की कुटरू के राजातालाब में सलूजगेट का निर्माण किया जा रहा है, ठीक इसके नीचे पोस्ट मेट्रिक कन्या छात्रावास है, ज्यादा बारिश होने पर कन्या छात्रावास को इसका खमियाजा उठाना पड़ेगा। महेश गागड़ा ने कहा कि साल भर से कुटरू के आदिवासी किसानों को गोबर का पैसा नहीं मिला है, गोबर के पैसों के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

महेश गागड़ा ने बताया की उपरोक्त मुद्दों को लेकर रविवार को मैं और भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमलेश मंडावी एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कुटरु दौरे पर थे, और जब हम वापस लौटे तो कमलेश मंडावी के ऊपर एक व्यक्ति ने यह कहते हुए हमला किया कि बहुत बड़े नेता बन गए हो। पूर्व में भाजपा के दो नेताओं के ऊपर नक्सलियों ने हमला कर उनकी जान ले ली और रविवार को कमलेश मंडावी के ऊपर हुए हमले से भी यही लगता है की ये हमला राजनीति से प्रेरित है और कहीं ना कहीं इन हमलो के पीछे कांग्रेस पार्टी और विधायक का हाथ है।

भाजपा की सरकार में जिले में बहुत विकास हुआ है, चाहे हो इंद्रावती नदी पर पुल, तारुड़ नदी पर पुल हो या फिर रामपुरम नदी में पुल हो यह सब काम भाजपा की सत्ता में हुआ है। जिले में स्पोर्ट्स अकेडमी, जिला अस्पताल, केंद्रीय विद्यालय या नवोदय विद्यालय या फिर एकलव्य विद्यालय ये सब भाजपा की सरकार में बने है, जिसमें हमारे आदिवासी बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे है। कांग्रेस के शासन में सिर्फ छोटे छोटे काम में भी भ्रष्टाचार हो रहा है।

विधायक जिले का विकास नहीं बस अपना विकास देखते है। कांग्रेस की सरकार में पंचायतो के अधिकार तक छीन लिए गए है। अभी सरपंच को तक नहीं पता होता है की उनके पंचायतो में कौन से काम हो रहे है। महेश गागड़ा ने कहा की विधायक विक्रम मंडावी मेरे टिकट की चिंता न करके वे स्वंय अपने टिकट की चिंता करें।

मोदी सरकार के 9 वर्ष : कोरबा नगर मंडल में भाजपाई कर रहे घर-घर जनसंपर्क

कोरबा। 27 जून को भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्येरा बूथ सबसे मजबूत संवादष् कार्यक्रम के बाद भाजपा ने पूरे देश भर के बूथों में अल्पकलीन विस्तारक भेज कर बूथ के कार्यकर्ताओं और जन जन से संपर्क अभियान करवा रही है। केंद्र में मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर कोरबा विधानसभा के कोरबा नगर मंडल के बूथों में बूथ के कार्यकर्ता एवं लाभार्थियों को केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताया जा रहा है।

इसी तारतम्य में कोरबा नगर मंडल में अल्पकालीन विस्तारक के रूप में केशकाल ;कोंडागांवद्ध से आए विरेंद्र बघेल ;जनपद सदस्य व युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्षद्ध द्वारा सभी शक्तिकेंद्रों का दौरा कर बैठक ली जा रही है एवं जनसंपर्क कर भ्रष्ट भूपेश सरकार की नाकामी को बताते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 9 सालों में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित मोदी सरकार ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। किसानों के जीवन में खुशहाली सुनिश्चित करने क्रेडिट कार्ड से 4 करोड़ किसानो को ऋण व किसान सम्मान निधि से सम्मान किया है। पक्का मकान शौचालय गैस कनेक्शन व मुफ्त चावल तथा जन औषधि केंद्र खोलकर गरीबों और वंचितों को राहत देते हुए सम्मान किया है। अनेकों योजनाओं से गरीब मध्यम वर्ग के जीवन में सुगमता आई है।

मोदी सरकार भारत के अमृत पीढ़ी को सशक्त कर रही है। मोदी सरकार ने भारत में तकनीक व इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई गति प्रदान की है जिससे नए भारत का उदय हो गया है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गई है। वही दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में घोटाले के ऊपर घोटाले हो रहे हैं। शराब घोटाला, चावल घोटाला, गोठान घोटाला, पीएससी घोटाला। पूरा छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार में डूब चुका है। इस अवसर पर भाजपा कोरबा नगर मंडल के अध्यक्ष परविंदर सिंह, महामंत्री द्वय युगल कैवर्त्य, योगेश मिश्रा, शक्तिकेंद्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति के कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

बालोद पुलिस कंट्रोल रूम में घुसा हाथी

■ **जान बचाने छिपे कर्मचारी, कोरबा में महिला पर किया हमला**

बालोद/कोरबा। छत्तीसगढ़ में लगातार हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है। अंबिकापुर, जशपुर, महासमुंद और कोरबा में उत्पात मचा रहे हाथी अब बालोद तक पहुंच गए हैं। दल से बिछड़कर एक हाथी सोमवार रात शहर में घुस आया। इसके चलते हड़कंप मच गया। हाथी पुलिस कंट्रोल रूम में घुस गया और वहां से साइबर सेल के दफ्तर जा पहुंचा। यह देखकर कर्मचारी जान बचाने के लिए अपने-अपने कार्यालय में छिप गए। वहीं दूसरी ओर कोरबा में फल बीनने गई महिला पर हाथी ने हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई है।

दरअसल, बालोद शहर में तंदुला जलाशय से होता हुआ हाथी पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंच गया। दंतैल हाथी को सामने देख पुलिसकर्मी जान बचाने के लिए मेज-कुर्सी के नीचे छिप गए। रात करीब 9 बजे से 10.30 बजे तक हाथी वहीं इधर-उधर घूमता रहा। सबसे पहले आमापारा के लोक निर्माण विभाग के क्वार्टर और फिर वहां से पुलिस कंट्रोल रूम व साइबर सेल में पहुंच गया। वहां से निकलने के बाद मुख्य मार्ग होते हुए हाथी जुर्री पारा की ओर बढ़ गया। इसके चलते शहर में भी डर फैल गया।

पुलिस कर्मियों ने बताया कि सबसे पहले साइबर सेल के सहायक उप निरीक्षक धरम भुआर्य ने हाथी को देखा। इसके बाद अन्य लोगों जानकारी दी। समय रहते आधे कर्मचारी कार्यालय को छोड़कर निकलने में सफल हो गए, वहीं 15 से 20 कर्मचारी अंदर ही फंसे रहे। इसके बाद दोनों तरफ के चैनल गेट को बंद करके एक कमरे में छिपकर किसी तरह से पुलिसकर्मियों ने समय काटा। पुलिस कंट्रोल रूम में के पास ही कलेक्टर कुलदीप शर्मा का बंगला भी है। इसके चलते उसकी सुरक्षा बढ़ा दी गई।

बताया जा रहा है कि, हांथी की वर्तमान लोकेशन कक्ष क्रमांक 288 आरएफ परिसर जाटादाह सहायक वृत्त गैंजी परिक्षेत्र लोहारा है। इसके बाद वन विभाग ने ग्राम बैहाकुआ, जाटादाह, शिवनी, पोपलाटोला, सहगांव, गैंजी, भालूकोंहा, कामता ऊरेटा, गुरामी, भरदा पिंगाल, मरईटोला बोईरडीह में अलर्ट किया है। टीम लगातार पेट्रोलिंग भी कर रही है। यह हाथी करीब तीन वर्षों से सक्रिय है। जो लगातार जिले के अन्यत्र क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है। पहली बार हाथी शहर में घुसा है, तो लोगों के होश उड़ गए।

वहीं दूसरी ओर कोरबा में करतला क्षेत्र के ग्राम मदवानी में रहने वाली एक वृद्धा पर हाथी ने हमला कर दिया। महिला डोरी फल बीनने के लिए जंगल में गई थी। इस दौरान हाथी ने उसे उठाकर पटक दिया। महिला के बेहोश होने के बाद मरा हुआ समझकर हाथी चला गया। महिला का नाम तीजमति है। इसके बाद बाद महिला की साथियों ने एंबुलेंस से उसे अस्पताल में भर्ती कराया। महिला को अंदरुनी चोटें लगी है। फिलहाल अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

धमतरी शहर महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित

धमतरी। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष मोहन लालवानी, महापौर विजय देवांगन द्वारा अनुशंसित धमतरी शहर महिला कांग्रेस कार्यकारणी की सूची शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यप्रभा चेट्टियार के द्वारा जारी की गई है. समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को अपना पदभार ग्रहण कर पार्टी के नियमों के तहत अनुशासन में रहकर कार्य करने निर्देशित किया गया. जिसमे अध्यक्ष शहर कांग्रेस 01 शास्त्री सोनवानी, अध्यक्ष शहर कांग्रेस 02 गणेश्वरी कामड़े, उपाध्यक्ष ममता शर्मा, लुकेश्वरी साहू, सरिता दीवान, प्रीति बजाज, महासचिव विभा शर्मा, सबीना अंजुम, सुमन मरकाम, विणा देवांगन, कनक शाह, नैना संघवी, सचिव सपना पदमवार, भावना मरकाम, तौसी खान, गीता नेताम, रानी मिनपाल, सुनंदा डागौर, जया दिवान, कविता निर्मलकर, गनेशिया साहू, रानी आकाश दिवान, खेमिन कौशिक, स्नेहा चौबे, भानुकला साहू, रोशनी शर्मा, परवीन खान, हुस्ना कौसर, यास्मीन खान, सामाजिक मीडिया प्रभारी जानकी गुप्ता, न्याय वाहिनी प्रभारी हिना कौसर, स्त्री हेल्पलाइन प्रभारी नीलू पवार, शहर महिला कांग्रेस में स्थाई आमंत्रित सदस्य शारदा साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, शशि गौर सदस्य कृषि कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़, घामेश्वरी साहू अध्यक्ष जिला महिला कांग्रेस ग्रामीण, शीला ठाकुर, कामिनी कौशिक, प्रभा श्रीवास्तव वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री, कविता बाबर सभापति जिला पंचायत धमतरी जगजीत कौर, अंबिका सिन्हा, किरण अग्रवाल प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस, सरिता दोषी, अनिता बाबर वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री, तारिणी चंद्राकर सभापति जिला पंचायत धमतरी, गुंजा साहू पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. लक्ष्मी ध्रुव उपाध्यक्ष मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक यहां विधानसभा, अंबिका मरकाम पूर्व विधायक सिहावा विधानसभा व उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़, लक्ष्मीकांता साहू छाया विधायक कुरूद विधानसभा, कांति सोनवानी अध्यक्ष जिला पंचायत धमतरी, मनीषा साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी।

गोमांस बिक्री पर सर्व हिंदू समाज का फूटा आक्रोश, आज कोरबा बंद का आह्वान

कोरबा। शहर में बीते दिनों गो मांस की बिक्री की घटना को लेकर हिंदू संघटनों में आक्रोश के स्वर फूट पड़े हैं। पुलिस ने इस प्रकरण में जांच जारी रखी हैं। इधर सर्व हिंदू समाज ने घटना के विरोध में पांच जुलाई को सुबह से दोपहर दो बजे तक जिले भर में व्यवसाय बंद का आह्वान किया है। चेंबर आफ कामर्स के प्रतिनिधियों ने भी इसके विरोध में समिति को समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

शहर के मोती सागर पारा और इमलीडुग्गु क्षेत्र में मांस की बिक्री करने और उसका भंडारण किए जाने का पता चलने पर दो दिन पहले जमकर हंगामा हुआ। मामले की जानकारी सामने आने के बाद आम जन ने संबंधित लोगों की खूब खबर ली गई। प्रशासन की सुस्त कार्रवाई से असंतुष्ट होकर नगर के हिंदूवादी संगठनों ने एकजुटता दिखाई है। मामला सीधे तौर पर गाय की हत्या और उसके मांस की तस्करी से जुड़ा माना जा रहा।यही वजह है कि हिंदू समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सोमवार को बुधवारी मार्ग स्थित गजानन मंदिर में सनातन संघर्ष समिति ने सर्व हिंदू समाज की बैठक करने के साथ इस विषय पर विचार विमर्श किया। सनातन संघर्ष समिति के नगर संयोजक सुबोध सिंह ने बताया कि कोरबा क्षेत्र में यह घटना बताती है कि लंबे समय से गोमाताओं की चोरी कर गायब किया जा रहा था। अब यह पता करने के साथ कार्रवाई की जरूरत है कि आखिर ऐसे लोगों के तार कहां-कहां तक जुड़े हुए हैं। उनके द्वारा गो मांस की सप्लाई कहां तक की जा रही है। उन्होंने मांग दोहराई की इस तरह के अवैध काम में जुटे लोगों पर कार्रवाई के साथ ठिकानों को ध्वस्त किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि इस ज्वलंत मुद्दे को लेकर पांच जुलाई बुधवार को कोरबा शहर सहित उपनगरीय क्षेत्रों में दोपहर दो बजे तक समस्त व्यवसायिक गतिविधियों को बंद रख विरोध जताने व्यवसाई से सहयोग मांगा जाएगा ।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

डीएफओ दफ्तर में लगी आग सरकारी फाइलें और कम्प्यूटर उपकरण जलकर खाक

कांकेर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में डीएफओ कार्यालय में आज सुबह आग लग गई। जिससे डीएफओ दफ्तर पूरी तरीके से जलकर खाक हो गया। दफ्तर के केबिन में रखी जरूरी फाइल, कम्प्यूटर उपकरण जलकर खाक हो गए। डीएफओ के दफ्तर में विभाग की सारी फाइल थीं। क्योंकि पांच जुलाई को सीसीएफ द्वारा ऑडिट करना था और आज फाइलें जलकर खाक हो गईं। थाना प्रभारी तेज वर्मा ने बताया कि आज सुबह सात बजे भानुप्रतापपुर के नाकापार में स्थित पूर्व वन मंडल कार्यालय के डीएफओ दफ्तर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सुबह कोई भी कर्मचारी ऑफिस में मौजूद नही था। धुंआ उठने की जानकारी पर फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। डीएफओ दफ्तर का कैबिन पूरी तरीके से जल गया। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

स्टोनोग्राफर एवं सहायक ग्रेड 3 के पदों पर परीक्षा 9 को

धमतरी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय धमतरी में स्टेनोग्राफर हिन्दी एवं सहायक ग्रेड-03 के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए कौशल परीक्षा आगामी 09 जुलाई को आयोजित की जाएगी। स्टेनोग्राफर हिन्दी की परीक्षा सुबह 10.30 बजे और सहायक ग्रेड-03 की परीक्षा दोपहर 12.30 बजे जिला न्यायालय परिसर में आयोजित होगी। चयन समिति की अध्यक्ष एवं एडीजे सुश्री सुनीता टोप्पो ने बताया कि परीक्षा के लिए अंतिम पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर अनुक्रमांक आबंटित किया गया है। अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक/पंजीयन क्रमांक, कौशल परीक्षा तिथि की सूचना का अवलोकन वेबसाईट पर और जिला न्यायालय की सूचना पटल पर कर सकते हैं। अभ्यर्थियों से परीक्षा केन्द्र में निर्धारित समय से एक घंटे पूर्व उपस्थित रहने कहा गया है। विलंब से उपस्थित होने पर परीक्षा में शामिल नहीं किया जाएगा। परीक्षार्थी दस्तावेज परीक्षण के लिए अपने मूल दस्तावेज सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित होने कहा गया है।

सिहावा विधानसभा से 5000 समर्थक जाएंगे मोदी को सुनने

नगरी। साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में 7 जुलाई को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मा. नरेंद्र मोदी का आगमन छत्तीसगढ़ में हो रहा है। मोदी जी को सुनने के लिए सिहावा विधानसभा से 5000 समर्थक जाएंगे, इसके लिए भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम, भाजपा राष्ट्रीय कृषि मंत्री पिंकी शिवराज शाह, पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम ने विधानसभा स्तरीय बैठक लिया। कार्यक्रम में जाने के लिए योजना बनाई गई एवं सभी वर्ग के लिए वाहन सुरक्षित किया गया। बैठक में जिला महामंत्री कविंद्र जैन, जिला महामंत्री प्रकाश बैस, जिला उपाध्यक्ष नरेश सिन्हा, जिला मंत्री राजेंद्र गोलछा, सहित चारों मंडल के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में रवि शंकर दुबे, नागेंद्र शुक्ला, विकल गुप्ता, कमल डागा, रामगोपाल साहू, मोहन नाहटा, अकबर कश्यप, वामन साहू, विजय यदु, मोहन पुजारी, हुमित लिमजा, अजय नाहटा, भवानी यादव, राकेश चौबे, एवन साहू, राजेश गोसाई, मनोहर मानिकपुरी सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीपीएम में चावल का संकट निगम के गोदाम खाली

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में चावल का संकट हो गया है। नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम लगभग खाली पड़े हैं। शासन के नियमानुसार गोदामों में तीन माह का चावल होना चाहिए, लेकिन एक महीने का ही शेष बचा है। यानी कुल भंडारण क्षमता का एक तिहाई से भी कम चावल ही उपलब्ध है। इस महीने पीडीएस में बंटने के बाद चावल का स्टॉक ही नहीं बचेगा। यह संकट राइस मिलर्स के दो महीने से सीएमआर चावल नहीं जमा करने से खड़ा हुआ है। जिले के वेयर हाउस कारपोरेशन के गोदामों की भंडारण क्षमता 15600 मीट्रिक टन है। उनमें करीब 5000 मीट्रिक टन चावल ही शेष है। जबकि जिले में प्रतिमाह करीब 34880 क्विंटल चावल का राशन दुकानों में भंडारण होता है। राइस मिलों द्वारा चावल जमा नहीं करने से स्थिति पूरी तरह बिगड़ गई है। नया चावल नहीं आने से स्टॉक की भरपाई नही हो सकी। कस्टम मिलिंग का अनुबंध करने के बाद राइस मिलरो को उठाए गए धान का चावल नागरिक आपूर्ति निगम को जमा करना होता है।

रोड नहीं तो वोट नहीं, दो वार्डों के बीच फंसे हैं 25 परिवार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर में दो वार्डों के बीच में फंसे परिवार मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। वे पत्राचार करते-करते थक गए, लेकिन उन्हें न सड़क मिली, न रोड लाइट। यहां तक कि नेताओं और अफसरों के चक्कर भी लगा चुके, पर किसी ने नहीं सुना। ऐसे में इन कॉलोनी वासियों ने चुनाव में वोट नहीं देने का निर्णय लिया है। यह व्यथा शहर के बीच पंडित रविशंकर शुक्ला नगर और शिवाजी नगर के मध्य बसे 25 परिवारों की है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि नगर निगम के अधिकारी केवल टैक्स वसूली के लिए इस क्षेत्र में आते हैं। विभिन्न पार्टियों के जनप्रतिनिधि चुनाव के समय वोट मांगने के लिए। बाकी समय हमें हमारे हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारे क्षेत्र में ना चलने को सही से सड़क है और ना ही बिजली खंभों में लाइट लगी हुई है। सफाई की सुविधा भी नगण्य है। अधिकारी, महापौर या इस क्षेत्र के पार्षद, इनसे केवल आश्वासन मिला है। परेशान होकर कॉलोनी के सभी लोगों ने एक स्वर में आने वाले चुनाव में वोट ना करने का फैसला किया है।

जनहित का कार्य सदैव फलदाई होता है : रंजना साहू

■ **आदिवासी समाज समाजिक भवन निर्माण भूमिपूजन विधायक रंजना साहू के करकमलों से हुआ सम्पन्न**

धमतरी। नगर निगम धमतरी के दानीटोला वार्ड में विधायक निधि से स्वीकृत आदिवासी समाज सामूहिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के उपस्थिति में किया गया। विधायक ने सर्वप्रथम माता शीतला की पूजा अर्चना कर समस्त क्षेत्रवासियों कि सुख समृद्धि शांति खुशहाली की कामना की। विधायक ने कहा कि जनहित के किया गया कार्य सदैव फ्लदाई होता है, समाज को शिक्षित करते हुए एक सूत्र में बंधे हुए आगे बढ़ाए, और युवाओं को समाज कि जिम्मेदारी से जोड़ते हुए आगे लाएं। साहू ने आगे कहा कि दानीटोला वार्ड में यह स्थल जहां माता शीतला विराजमान है और सांस्कृतिक कला मंच भी विद्यमान है जहां पर निरंतर धार्मिक सामाजिक आयोजन संपन्न होता है और अब समाजिक भवन बन जाने से विभिन्न आयोजित कार्यक्रमों में सहायता मिलेगी। पूर्व महापौर अर्चना चौबे ने कहा कि जनहित मुद्दों के लिए कार्य करना यह वंदनीय है, निरंतर विधायक द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिससे अनेक सुविधाएं जनता को मिल रहा है। निर्माण कार्य के लिए विधायक ने समस्त आदिवासी समाज एवं वार्डवासियों को बधाई दिए। वार्ड पार्षद अज्जू देशलहरे ने सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति के लिए विधायक का धन्यवाद किया। समाज प्रमुख निर्मला ध्रुव ने समस्त समाज की ओर विधायक का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि क्षेत्र का दौरा करते हुए विधायक सक्रिय होकर जनहित के लिए कार्य करती आ रही है और हमारे क्षेत्र की सर्वाधिक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि है जिनका सहयोग निरंतर गांव शहर सभी जनमानस को मिल रहा है। भूमिपूजन के लिए शहर मंडल अध्यक्ष विजय साहू, भाजपा वरिष्ठ कपील चौहान ने बधाई दिए। इस अवसर पर भूमिपूजन में लोग मुरली प्रसाद साहू, चंपालाल साहू, नरेंद्र साहू, संतराम ध्रुव, शत्रुघ्न साहू, हरलाल साहू, महेश्वर साहू, दुधारू ध्रुव, जगतराम ध्रुव, देवी राम नेताम, दीपक ध्रुव, गुड्डू ध्रुव, राजकुमार ध्रुव, सुदर्शन ध्रुव, निर्मला ध्रुव, वंदना देशलहरे सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

विधायक ने मक्केश्वर महादेव की पूजा अर्चना की

उज्जैन अवंतिका तीर्थ मोक्षदायिनी श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली से राजाधिराज अवंतिका नरेश उमापति महादेव बाबा महाकाल मक्केश्वर महादेव की कटारिया रेसीडेंसी में विभिन्न भक्त जनों के साथ पूजा अर्चना कर विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने समस्त क्षेत्रवासियों कि सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या, सप्ताह भर बाद बैनर लगाकर ली जिम्मेदारी

कांकेर। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा थाना इलाके के जूंगड़ा गांव के एक व्यति की हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों ने ली। 26 जून को जूंगड़ा निवासी सनकू राम गोटा की हत्या कर नक्सलियों ने शव फेंक दिया था। पुलिस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही थी।

सप्ताह भर बाद नक्सलियों ने कोयलीबेड़ा-आलपरस मार्ग में बैनर पोस्टर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने मुखबिरी की शक में हत्या करना स्वीकार किया है। बैनर में लिखा है कि पार्टी का समाचार कोयलीबेड़ा थाने में देने के कारण मौत का घाट उतारा गया है।

गौरतलब हो कि नक्सली जब किसी व्यक्ति को मुखबिरी के शव में हत्या करते है तो वही पर्चा छोड़ कर जाते है या दूसरे तीसरे दिन बैनर-पोस्टर लगाकर हत्या करने की जिम्मेदारी लेते है। सनकू राम गोटा की हत्या 26 जून को हुई थी, नक्सलियों ने इसकी जिम्मेदारी सप्ताह भर बाद ली है। कोयलीबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि 26 जून को सुबह 11 बजे ग्राम जूंगड़ा के सनकु राम गोटा की हत्या की सूचना को लेकर सरपंच (पानीडोबिर) के नेतृत्व में ग्रामीण थाना आए थे। थाना स्टाफ, ग्रामीण/परिजनों के सहयोग से मृतक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोयलिबेड़ा लाकर पोस्टमॉर्टम कराया गया। थाना कोयलिबेड़ा ने मामला दर्ज कर हत्या की जांच शुरू की। इसी बीच अब नक्सलियों ने बैनर लगाकर हत्या की बात स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

आरआरटीएस को लेकर भाजपा ने केजरीवाल पर साधा निशाना

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) परियोजना के निर्माण के लिए धन देने में असमर्थता जताने को लेकर दिल्ली सरकार को सोमवार को फटकार लगाई और उसे पिछले तीन वित्तीय वर्षों में विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन का ब्योरा देने का निर्देश दिया था। इसको लेकर आज भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता कर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। गौरव भाटिया ने कहा कि सबसे बेईमान नेता अरविंद केजरीवाल द्वारा पिछले 3 वर्षों में 1106 करोड़ रुपये के विज्ञापन जारी किए गए हैं। आरआरटीएस परियोजना में दिल्ली का योगदान 1138 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के मुताबिक केजरीवाल सरकार के पास विज्ञापनों के लिए पैसा है। हालाँकि, उनके पास आरआरटीएस परियोजना के लिए पैसा नहीं है जो लोगों के हित में है। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है जिसमें पिछले 3 साल में विज्ञापनों पर खर्च की गई रकम का ब्योरा हो।

मोदी सरनेम मामले में हाईकोर्ट से राहुल गांधी को बड़ी राहत

रांची। मोदी सरनेम मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने इन्हें खुद (सशरीर) हाजिर होने के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। आपको बता दें कि रांची निवासी प्रदीप मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी मामले में रांची सिविल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। 2019 में कांग्रेस पार्टी की एक सभा में राहुल गांधी द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है। विशेष अदालत ने इन्हें सशरीर पेश होने का आदेश दिया है। राहुल गांधी की ओर से इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी थी। आज मंगलवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

तेजस्वी यादव सीबीआई से डरने वाले नहीं : ललन सिंह

पटना। सीबीआई द्वारा नौकरी के बदले जमीन घोटाले केस में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर करने के एक दिन बाद जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया और कहा कि केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नौकरी के बदले जमीन केस में तेजस्वी यादव का राजनीतिक शिकार कर रही है। ललन सिंह ने कहा, इस मामले में सीबीआई की दूसरी चार्जशीट यादव के खिलाफ बिना किसी सबूत के दायर की गई है। सीबीआई ने पहले कहा था कि तेजस्वी यादव के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लेकिन जब राजद और जदयू ने कांग्रेस समेत अन्य दलों के साथ मिलकर अगस्त 2022 में बिहार में महागठबंधन सरकार बना ली तो केंद्र को यह सहन नहीं हुआ और उसने डिप्टी सीएम के खिलाफ अपने तोते (सीबीआई) के साथ-साथ अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों को लगा दिया।

तेजस्वी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें नीतीश : भाजपा

पटना। जमीन के बदले नौकरी घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके माता-पिता के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के एक दिन बाद मंगलवार को सत्तारूढ़ जनता दल-यूनाइटेड, उसके सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राजद नेता के खिलाफ विच-हंट चलाने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा ने नीतीश कुमार से तेजस्वी को बर्खास्त करने की मांग की है। भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि तेजस्वी यादव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई है। इस मामले में लालू यादव और राबड़ी देवी का नाम पहले से चार्जशीट में है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार को तेजस्वी यादव को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। मैं उन्हें याद दिला दूं कि जब लालू यादव पर चार्जशीट दाखिल हुई थी तब नीतीश की पार्टी ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की थी। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार भ्रष्टाचार से समझौता करेंगे या भ्रष्टाचार के आरोपी को बर्खास्त करेंगे, देखना है।

अखिलेश अकेले नहीं कर सकते भाजपा से मुकाबला

लखनऊ। सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मायावती को पीएम पद के लिए आगे करने की मांग की है। साथ ही साथ यह भी कह दिया है कि अखिलेश यादव अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि विपक्ष को मायावती को प्रधानमंत्री का चेहरा मानकर उनको मना लेना चाहिए। जब तक उनको साथ नहीं लेंगे तब तक यहां (यूपी) चाहे ममता बनर्जी, केसीआर, लालू यादव या चाहे कोई भी आ जाए..यूपी में कोई मतलब नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मतलब अगर है तो पश्चिम में जयंत चौधरी, पूर्व में ओम प्रकाश राजभर और पूरे प्रदेश में 80% लोकसभा सीट का मतलब है तो बहुजन समाज पार्टी से है इन तीनों के बगैर विपक्षी एकता बेकार है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर अखिलेश यादव को चुनाव जीतना है तो जयंत चौधरी, ओम प्रकाश राजभर और मायावती को साथ लेकर लड़ेंगे तभी सफलता मिलेगी वरना नहीं मिलेगी। अकेले सपा का बीजेपी से कोई मुकाबला नहीं है।

एससीओ की वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री ने आतंकवाद का जिक्र कर चीन-पाकिस्तान पर साधा निशाना

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार यानी आज शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वर्चुअल शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एससीओ के सम्मेलन को पीएम मोदी ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्थिति एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर है। विवादों, तनावों और महामारी से घिरे विश्व में फर्टिलाइजर और ईंधन का मुहैया होना सभी देशों के लिए बड़ी चुनौती है। हमें यह फैसला करना होगा कि क्या हम अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। क्या एससीओ ऐसा संगठन है जो आगे के बदलावों के हिसाब से बदल रहा है। एससीओ में भाषा संबंधी परेशानियों को हटाने के लिए हम अपने प्लेटफॉर्म को सबके साथ साझा करने में रुचि रखते हैं। आगे के सुधारों को लागू करने में एससीओ बड़ा प्लेटफॉर्म बन सकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि ईरान आज एससीओ की बैठक में शामिल है। साथ ही हम बेलारूस को एससीओ में शामिल करने के लिए मेमोरेंडम में हस्ताक्षर का स्वागत करते हैं। यह आवश्यक है कि एससीओ का फुल फोकस मध्य एशिया के देशों के हितों और आकांक्षाओं पर केंद्रित रहे।

उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद क्षेत्रीय कार्यों के लिए खतरा बना हुआ है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। हमें किसी भी अभिव्यक्ति में इसके खिलाफ लड़ाई करनी होगी। कुछ देश इसे क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म के लिए इसे नीति के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। आतंकवादियों को पनाह देते हैं। आतंकवाद के समर्थकों के लिए दोहरे मापदंड नहीं रखने चाहिए। आतंकवाद क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए प्रमुख खतरा बना हुआ है। इस चुनौती से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है। आतंकवाद चाहे किसी भी रूप में हो, किसी भी अभिव्यक्ति में हो, हमें इसके विरुद्ध मिलकर लड़ाई करनी होगी।

पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि भारत ने एससीओ में सहयोग के लिए पांच नए स्तंभ बनाए हैं। ये पांच स्तंभ

स्टार्टअप और इनोवेशन, पारंपरिक औषधि, युवा सशक्तिकरण, डिजिटल समावेशन और साझा बौद्ध विरासत है।

उन्होंने कहा कि एससीओ के अध्यक्ष के रूप में भारत ने हमारे बहुआयामी सहयोग को नई ऊचाईयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इन सभी प्रयासों को हमने दो सिद्धांतों पर आधारित किया है। पहला- वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरा विश्व एक परिवार है। ये सिद्धांत प्राचीन समय से हमारे सामाजिक आचरण का अभिन्न अंग रहा है और आधुनिक समय में ये हमारी प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत है। वहीं, दूसरा दूसरा- सिक्योर यानी सुरक्षा, आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी, एकता, संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान और पर्यावरण संरक्षण।

उन्होंने आगे कहा कि भारत और अफगानिस्तान के लोगों के बीच सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। पिछले दो दशकों में हमने अफगानिस्तान के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए योगदान दिया है। 2021 के घटनाक्रम के बाद भी हम मानवीय सहायता भेजते रहे हैं। यह आवश्यक है कि अफगानिस्तान की भूमि पड़ोसी देशों में अस्थिरता फैलाने या उग्रवादी विचारधाराओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयोग न की जाए।

गौरतलब है कि भारत एससीओ के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत ने इस साल मई में गोवा में दो दिवसीय सम्मेलन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की मेजबानी की थी। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा गुट है और सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

भारत आज डिजिटल प्रौद्योगिकी और 5-जी जैसे क्षेत्रों में बड़े-बड़े देशों का मुकाबला कर रहा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में साईं हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने दावा किया कि भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी और 5जी प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में बड़े देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। मोदी ने कहा कि दुनिया के कुल ऑनलाइन और डिजिटल लेनदेन का 40 प्रतिशत अकेले भारत में होता है। उन्होंने कहा कि देश में आध्यात्मिक केंद्र पुनर्जीवित हो रहे हैं, साथ ही भारत अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी में भी अग्रणी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्री हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर के रूप में देश को एक प्रमुख विचार केंद्र मिल रहा है। इस सेंटर में आध्यात्मिकता की अनुभूति भी है और आधुनिकता की आभा भी है। इसमें सांस्कृतिक दिव्यता भी है और वैचारिक भव्यता भी है। उन्होंने कहा कि आज भारत भी कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ रहा है। आजादी के 100 वर्ष के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए, हमने हमारे अमृतकाल को कर्तव्य काल का नाम दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे कर्तव्यों में आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भी है और भविष्य के संकल्प भी हैं। इसमें विकास भी है और विरासत भी है। मोदी ने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी और 5जी जैसे क्षेत्रों में हम बड़े-बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। दुनिया में आज जितने भी रियल टाईम ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हो रहे हैं, उसमें 40% अकेले भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट आंध्र के करीब 40 लाख विद्यार्थियों को श्री अन्न से बना भोजन दे रहा है, ये भी एक बहुत सराहनीय पहल है। इस तरह के इनिटिएटीव से दूसरे राज्यों को भी जोड़ा जाए तो देश को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

आज अलग-अलग जगहों पर बुलाई चाचा-भतीजे ने बैठक

मुंबई में खुला राकांपा का नया दफ्तर

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होने के एक दिन बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई में मंत्रालय के पास राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के नए दफ्तर का उद्घाटन किया। पवार ने पूरे राकांपा का समर्थन उनके पक्ष में होने का दावा भी किया है।

अजित पवार ने मंगलवार को राकांपा के नए दफ्तर का उद्घाटन किया, उद्घाटन से पहले नए दफ्तर में तोड़-फोड़ होने की खबरें भी सामने आई। उद्घाटन के दौरान अजित पवार के साथ छगन भुजबल भी मौजूद थे। अजित पवार की नेतृत्व वाली राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को एक सम्मेलन में लोकसभा सांसद सुनील तटकले को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की थी। पटेल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हम जयंत पटेल को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करते हैं। मैं सुनील तटकले को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करता हूं। अब तटकले को पास पार्टी में बदलाव करने का अधिकार होगा। उन्होंने कहा कि अजित पवार को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। हम शरद पवार से अनुरोध करते हैं कि वह हमें अपना आशीर्वाद दें, क्योंकि वह हमारे गुरु हैं।

सम्मेलन में सुनील तटकले ने महाराष्ट्र में पार्टी के मजबूत करने की बात कही। उन्होंने कहा, मैंने राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। राज्य में मैं पार्टी को मजबूत करने की कोशिश करूंगा। मैंने सभी जिला परिषद के नेताओं और विधायकों की एक बैठक बुलाई है।

शरद पवार ने मुंबई में पांच जुलाई को सभी सांसदों और विधायकों की एक बैठक बुलाई है। अजित पवार ने भी उसी दिन एक अन्य जगह पर बैठक बुलाई है। अब यह देखना दिलचस्प हो गया है कि पार्टी के विधायक या सांसदों का फैसला क्या होगा। पुणे एनसीपी की कार्य समिति की बैठक मंगलवार को हुई। इस बैठक में शरद पवार के समर्थन में प्रस्ताव पेश किया गया और भाजपा द्वारा

पार्टी तोड़ने की कोशिशों की आलोचना की गई। प्रस्ताव एनसीपी के वरिष्ठ नेता अंकुश काकाडे ने पेश किया, जिसे बैठक में मौजूद सभी नेताओं ने समर्थन दिया। इस दौरान एनसीपी पुणे प्रमुख प्रशांत जगताप और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

अजित के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने पिछले एक साल में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों का उल्लेख करते हुए मंगलवार को एक पुस्तिका जारी की। मुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने पिछले एक साल में किए कामों का उल्लेख करते हुए पुस्तिका का विमोचन किया। गौरतलब है कि रविवार को अजित पवार की अगुवाई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नौ विधायकों के सरकार में शामिल होने के बाद मंत्रिमंडल की यह पहली साप्ताहिक बैठक थी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई में राकांपा के नवनियुक्त मंत्री राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' पहुंचे। अभी नौ मंत्रियों को विभागों का आवंटन नहीं किया गया है। अभी तक मंत्रिमंडल में कोई भी राज्यमंत्री नहीं है। राकांपा की अदिति तटकरे शिंदे मंत्रिमंडल में शामिल होने वाली पहली महिला हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

पहले ही दौर में एलिना से हारकर वीनस विलियम्स बाहर

विम्बलडन। विम्बलडन 2023 की शुरुआत तीन जुलाई से हो गई है। ये इस वर्ष का तीसरा ग्रैंड स्लैम है, जिसके पहले ही दिन फैंस को काफी रोमांच देखने को मिला। पहले ही दिन 43 वर्षीय वीनस विलियम्स को मात खानी पड़ी। अमेरिकी धुरंधर महिला खिलाड़ी इस बार टूर्नामेंट में 24वीं बार विम्बलडन खिताब जीतने के लिए उतरी है। हालांकि पहले ही दिन मुकाबले में उन्हें एलिना स्वितोलिना से हार का सामना करना पड़ा है।

यूक्रेन की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने दिग्गज खिलाड़ी वीनस विलियम्स को 6-4, 6-3 से मात देने में सफलता हासिल की। दुनिया की पूर्व एक नंबर खिलाड़ी वीनस विलियम्स इस हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई है जिससे उनके फैंस काफी दुखी हुए है। हालांकि जिस हाल में वीनस विलियम्स मैच खेलने उतरीं उसे देखकर फैंस उनके मुरीद हो गए है। वो पैर में चोट के साथ खेलती दिखी। इस मुकाबले में वीनस के पैर के घुटने पर पट्टियां बंधी थी। इस दौरान वो नेट्स के पास गिर गई और उनके लिए उठना भी काफी मुश्किल हो गया। इसके बाद एलिना स्वितोलिना और चेयर अंपायर उसकी मदद के लिए दौड़ पड़े।

वीनस विलियम्स इस दौरान बेहद दर्द में दिखाई दी। दर्द के कारण उनकी आंखों से आंसू तक छलक आए। उन्होंने इसके बाद इंजरी टाइम आउट लिया और दोबारा वापसी की। गिरने से पहले तक वो आगे चल रही थी मगर इसके बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया और वो मुकबला हार गई। मैच में हारने के बाद वीनस विलियम्स ने अपने संघर्ष और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का जिक्र भी किया। पहले ही मुकाबले में हार के बाद, वीनस विलियम्स ने ग्रास कोर्ट पर फिसलने की घटना को स्वीकारते इस पर हंसी मजाक भी किया। उन्होंने कहा कि घास स्वाभाविक रूस से फिसलने वाली होती है। किस समय आप इस पर गिए जाएं ये कहना मुश्किल है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 65,479.05 अंक पर निफ्टी 19,389 अंक पर बंद हुए

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार लगातार नयी उचाईयों को छू रहा है और यह मंगलवार को फिर नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। मार्केट में लगातार पांचवे कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई। बैंकिंग और आईटी कंपनियों के स्टॉक्स में हुई जोरदार खरीदारी से सेंसेक्स अबतक के उच्चतम स्तर 65,479.05 अंक पर और एनएसई निफ्टी 19,389 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 274 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 65,479.05 अंक के रिकॉर्ड हाई लेवल पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 65,672.97 अंक के उच्चस्तर तक भी पहुंच गया था। दूसरी तरफ, निफ्टी-50 भी रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। निफ्टी 66.45 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,389 अंक पर बंद हुआ, जो इसका हाईएस्ट लेवल है। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक 7.17 प्रतिशत चढ़ गया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम सात रुपए बढ़े

नईदिल्ली। मंगलवार को तेल कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं। एक 19 किलो के गैस सिलेंडर का दाम अब 7 रुपये बढ़ा दिया गया है। बता दें, हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियों की तरफ से गैस सलिंडर की कीमत में बदलाव कयिा जाता है। बीते महीने 1 जून को भी इसमें बदलाव हुआ था जिसमें कमर्शयिल गैस सलिंडर की कीमत 83 रुपये कम हुई थी। लेकनि 4 दिन बाद ही इस बार तेल कंपनयिों ने 4 जुलाई को गैस सलिंडर की कीमत बढ़ा दी है। इस बार ऑयल मार्केटगि कंपनयिों ने कमर्शयिल एलपीजी गैस सलिंडर का रेट 7 रुपये प्रति सलिेंडर बढ़ा दयिा है. वहीं इस बार 1 जुलाई को गैस सलिंडर की कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ था।

ट्वीटडेक का नया वर्जन लॉन्च यूजर्स को मिलेगी सुविधा

नईदिल्ली। ट्विटर ने ट्वीटडेक का नया वर्जन लॉन्च कर दिया है। लेकिन इसका इस्तेमाल सिर्फ वैरिफाइड अकाउंट होल्डर्स ही कर पाएंगे। नया बदलाव ठीक 30 दिन बाद लागू होगा। हालांकि, ट्विटर के इस ऐलान से पहले ही कई ट्वीटडेक यूजर्स को इसे यूज करने में दिक्कत का सामना कर पड़ रहा था। खासकर नोटिफिकेशन के मामले में यूजर्स ने दिक्कत की शिकायत की थी। कई लोगों ने शिकायत की है कि उनके ट्वीटडेक में ट्विटर हैंडल्स के कॉलम लोड नहीं हो रहे हैं। ट्वीटडेक सोशल मीडिया डैशबोर्ड एप्लीकेशन है जहां पर ट्विटर अकाउंट को मैनेज किया जाता है। खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, मीडिया कंपनी और सोशल मीडिया मैनेजर्स की ओर से किया जाता है। इसमें यूजर्स को एक ही स्क्रीन पर कई अकाउंट की ओर से किए गए ट्वीट दिखाई देते हैं। वहीं मल्टीपल अकाउंट हैंडल करने वालों को भी इससे मदद मिलती है।

मारुति की सबसे महंगी गाड़ी आज होगी लॉन्च

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार निर्माता मारुति की ओर से पांच जुलाई को भारतीय बाजार में नई एमपीवी लॉन्च की जाएगी। कंपनी इस नई एमपीवी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर करने वाली है। लॉन्च से पहले ही कंपनी ने इस एमपीवी के लिए 19 जून से बुकिंग भी शुरू कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति की नई एमपीवी में कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जा सकता है। इन फीचर्स में ADAS, ऑटोमन सीट्स, 9-स्पीकर प्रीमियम ऑडियो सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मेमोरी के साथ आने वाली पावर ड्राइवर सीट, पावर्ड टेलगेट, फ्रंट पार्किंग सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, 18-इंच के अलॉय व्हील्स के साथ ही इसमें पैनोरमिक सनरूफ भी मिल सकता है। मारुति ने इस एमपीवी को टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस से लिया है।

आत्मनिर्भर भारत अब बनायेगा सेमीकंडक्टर चिप

संदीप अग्रवाल

भारत में सेमीकंडक्टर की मैनुफैक्चरिंग को लेकर दो अच्छी खबरें आई हैं। पहली है, अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी द्वारा गुजरात में सेमीकंडक्टर लगाने की घोषणा। और दूसरी, वेदांता-फॉक्सकॉन द्वारा जॉइंट वेंचर के रूप में गुजरात में ही सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग शुरू करने के लिए आवेदन। इसमें वेदांता की 67% हिस्सेदारी है। भारत सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन शुरू करने के लिए एक जून से फिर से आवेदन मंगाने शुरू किए हैं। आशा की जा रही है कि अभी और कई बड़ी कंपनियां भी भारत में सेमीकंडक्टर बनाने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। दुनिया में सेमीकंडक्टरों की खपत में भारत सातवें स्थान पर है। पिछले साल बाजार में हमारी भागीदारी चार फीसदी थी, जिसके वर्ष 2026 तक छह प्रतिशत होने का अनुमान है। 768 अरब डॉलर के इस विशाल बाजार में यह बहुत कम लग सकता है। फिर भी दो साल पहले यह राशि 27.2 अरब डॉलर थी। भारत में सेमीकंडक्टर मार्केट की वैल्यू में हर साल 19% की बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे यह 2026 तक दोगुने से भी ज्यादा, करीब 64 अरब डॉलर हो जाएगी। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि भारत इस मामले में भी आत्मनिर्भर बने और यहाँ बढ़ती हुई माँग के हिसाब से सेमीकंडक्टर की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक ईकोसिस्टम विकसित हो।

2022 के आंकड़ों के अनुसार, सेमीकंडक्टर चिप की वैश्विक माँग को पूरा करने वाले देशों में ताईवान (24%) शीर्ष पर है, साउथ कोरिया (19%) दूसरे, अमेरिका तीसरे (13%) व जापान (10%) चौथे स्थान पर। छह प्रतिशत भागीदारी के साथ चीन का स्थान पाँचवा है। कोरोना के बाद से दुनिया

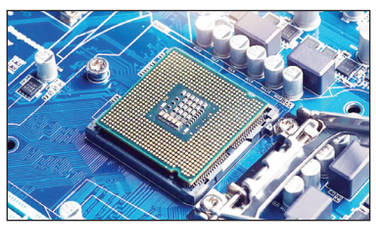

भर में चीन के विरुद्ध एक असंतोष और अप्रसन्नता का माहौल बना है जिसके कारण मशीन के लिए इस महत्वपूर्ण चिप को बनाने के लिए भारत के प्रति दुनिया के सेमीकंडक्टर निर्माताओं ने रुचि दिखाई है। दिलचस्प बात यह है कि इनमें सिर्फ जापान ही ऐसा देश है, जहाँ सेमीकंडक्टर का उत्पादन और खपत समान, दस प्रतिशत है। चीन और अमेरिका में इनकी खपत, उत्पादन के मुकाबले क्रमशः 14% व 15% ज्यादा है। इसके विपरीत, ताईवान व दक्षिण कोरिया अपनी जरूरत का क्रमशः छह व आठ प्रतिशत से 18% व 11% अधिक सेमीकंडक्टर बनाते हैं। अपने उपयोग के बाद बचे हुए सेमीकंडक्टरों को जरूरतमंद देशों को बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

ऐसे में यह क्षेत्र भारत के लिए एक नया उभरता बाजार है, जिसमें समय रहते उसका प्रवेश काफी फायदे का सौदा साबित हो सकता है। सेमीकंडक्टर उत्पादन को प्रोत्साहित कर वह न सिर्फ इनके आयात पर खर्च होने वाली राशि बचा सकता है, बल्कि हो सकता है कि यहां इतना उत्पादन होने लग जाए, जो सेमीकंडक्टर निर्यात के माध्यम से हमारे लिए आय का एक बड़ा स्रोत साबित हो। प्रत्यक्ष फायदों की बात करें तो माइक्रॉन का प्रस्तावित प्लांट बहुत महत्वाकांक्षी है। माइक्रॉन सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली विश्व की पांचवी सबसे बड़ी कंपनी है। पांच लाख वर्गफीट में आकार लेने जा रहे इस प्लांट में माइक्रॉन 6,700 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। 21 जून को अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी ने मॉइक्रॉन कंपनी के सीईओ संजय मलहोत्रा से मुलाकात की थी। इसके ठीक सात दिन बाद 28 जून को गुजरात में कंपनी के साथ एमओयू भी साइन हो गया और उनको सानंद में जमीन आवंटन के कागजात भी सौंप दिये गये। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री के अलावा केन्द्रीय संचार एवं आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित थे। गुजरात के सानंद में लगनेवाले इस सेमीकंडक्टर प्लांट में कंपनी को कुल परियोजना लागत का पचास फीसदी केंद्र सरकार और 20 प्रतिशत गुजरात सरकार से मिलेगा। माइक्रोन को 22,540 करोड़ रुपए की यह वित्तीय सहायता, सरकार की मॉडिफाइड असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग(एटीएमपी) स्कीम के अंतर्गत दी जा रही है। यह प्लांट अगले साल दिसंबर तक प्रोडक्शन शुरू कर देगा।

सक्रिय गुटनिरपेक्षता अब समय की मांग

शिव शरण शुक्ला

यूक्रेन युद्ध का आखिर ब्राजील से क्या वास्ता है? प्रथम द्रष्टया शायद बहुत ज्यादा नहीं। फिर भी ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने, जो अपना तीसरा कार्यकाल (लगातार नहीं) पूरा कर रहे हैं, पहले छह महीनों में पूर्वी यूरोप में शांति लाने की काफी कोशिश की है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत शामिल है। इसके अलावा, लूला के मुख्य विदेश नीति सलाहकार और पूर्व विदेश मंत्री सेल्सो अमोरिम की %शटल डिप्लोमेसी% (दो विरोधी गुटों के बीच मध्यस्थ के जरिये होने वाली कूटनीतिक वार्ता) भी गौर करने लायक है, जिसके तहत उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और ब्रासीलिया में उनके विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का स्वागत किया। संघर्ष में शामिल अलग-अलग पक्षों के साथ यदि ब्राजील बात कर रहा है, तो उसकी एक वजह है। दरअसल, उसने युद्ध में किसी का भी पक्ष न लेने का निश्चय किया है। ऐसा करते हुए वह उस सिद्धांत का पालन करता दिख रहा है, जिसे मेरे सहयोगियों और मैंने सक्रिय गुटनिरपेक्षता कहा है। सक्रिय गुटनिरपेक्षता से हमारा अभिप्राय वैसी विदेश नीति से है, जिसमें विकासशील दुनिया के देश-अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका बड़ी शक्तियों के बीच हो रहे संघर्ष में किसी का भी पक्ष लेने से इन्कार करते हैं और केवल अपने हितों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इस नई गुटनिरपेक्षता और पिछले दशकों में राष्ट्रों द्वारा अपनाई जा रही गुटनिरपेक्षता में फर्क यह है कि नई गुटनिरपेक्षता की बात आज ऐसे समय में हो रही है, जब विकासशील देश पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत होकर उभर रहे हैं। अब ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को ही लें, क्रय शक्ति के मामले में इनका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आर्थिक दृष्टि से उन्नत राष्ट्रों के जी-7 समूह से आगे निकल गया है। यह बढ़ती हुई आर्थिक शक्ति सक्रिय गुटनिरपेक्ष देशों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त बनाती है, जिससे उनके लिए नई पहल करना और कूटनीतिक गठजोड़ करना सहज हो जाता है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। सक्रिय गुटनिरपेक्षता को बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा से बढ़ावा मिला है, जिसे मैं अमेरिका और चीन के बीच उभरते द्वितीय शीतयुद्ध के रूप में देखता हूं। विकासशील दुनिया के कई देशों के लिए वाशिंगटन और बीजिंग, दोनों के साथ अपने आर्थिक विकास, व्यापार एवं निवेश के लिए अच्छे संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण रहा है। इस बढ़ते संघर्ष में किसी एक का पक्ष लेना उनके हित में नहीं है। ऐसी गुटनिरपेक्षता के लिए एक अत्यधिक परिष्कृत कूटनीति की जरूरत होती है, जो प्रत्येक मुद्दे को उसकी खूबियों के आधार पर परखती और दक्षता से फैसले लेती है। जहां तक यूक्रेन युद्ध का संबंध है, सक्रिय गुटनिरपेक्षता का मतलब रूस या नाटो में से किसी का भी समर्थन नहीं करना है। विकासशील दुनिया में ऐसी नीति अपनाने वाला ब्राजील अकेला देश नहीं है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के कई प्रमुख देशों ने नाटो का पक्ष लेने से इन्कार कर दिया है। इनमें सबसे प्रमुख भारत रहा है। अमेरिका से बेहतर रिश्ते और क्वाड में शामिल होने के बावजूद भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा करने से इन्कार कर दिया और रूस से तेल आयात में काफी बढ़ोतरी भी की है। वास्तव में भारत की स्थिति दर्शाती है कि विश्व वास्तव में विकसित और विकासशील देशों के बीच बंटा है। भारत के अलावा दुनिया के कुछ बड़ी आबादी वाले लोकतंत्रों ने नाटो का पक्ष लेने से इन्कार कर दिया है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के लगभग किसी भी देश ने रूस के खिलाफ कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिबंधों का समर्थन नहीं किया है। हालांकि इनमें से कई देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा करने के लिए मतदान किया है। 140 से अधिक सदस्य देशों ने बार-बार ऐसा किया है, क्योंकि कोई भी देश एक यूरोपीय युद्ध को वैश्विक युद्ध नहीं बनाना चाहता है। वाशिंगटन इस प्रतिक्रिया से हैरान है। उसने यूक्रेन युद्ध को अच्छे और बुरे के बीच एक विकल्प के रूप में चित्रित किया है।

पार्टी और कुर्सी दोनों पर अजीत का दावा

समीर चौगांवकर

अजीत पवार का भाजपा के साथ आना सिर्फ शरद पवार के लिए ही झटका नहीं है। इस फेरबदल से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कुर्सी के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर कर चुके अजीत पवार के एनडीए में शामिल होने से एकनाथ शिंदे की कुर्सी पर खतरा पैदा हो गया है। एकनाथ शिंदे आज भले ही अजीत पवार के साथ आने का समर्थन कर रहे हों, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में एकनाथ शिंदे को ही सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और अजीत पवार की दो दशक पुरानी दोस्ती से महाराष्ट्र के सभी नेता वाफिक हैं। विपक्ष के नेता रहते अजीत पवार ने देवेन्द्र फड़नवीस पर कभी एक शब्द नहीं बोला लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर अपने शब्दबाण चलाते रहे। ऐसे में अजीत पवार के सरकार में शामिल होने से देवेन्द्र को ताकत मिलना तय है। वहीं एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना पर भी भाजपा की निर्भरता काफी कम हो गई है। अजीत पवार ने आते ही उप मुख्यमंत्री का पद और 8 मंत्रीपद अपने विधायकों के लिए ले लिए हैं।

एकनाथ शिंदे के विधायक सरकार बनने के बाद से मंत्री बनने के लिए राह देख रहे हैं। बदली हुई परिस्थितियों में एकनाथ के साथी कब मंत्री बनेगें कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में हो सकता है कि शिंदे गुट के कुछ विधायक वापस उद्धव ठाकरे के खेमे में वापस पहुंच जाए। एक बात और महत्वपूर्ण है। एकनाथ शिंदे और अजीत पवार दोनों मराठा हैं। महाराष्ट्र में मराठा वोट बैंक 32 प्रतिशत के आसपास है। ऐसे में आने वाले दिनों में मराठाओ का नेता कौन इसको लेकर अजीत पवार और शिंदे में टकराव होना तय है। बहरहाल, महाराष्ट्र की राजनीति में हुए इस ताजा उलटफेर से 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में सत्ता पक्ष के अब 206 विधायक हो गये हैं। विपक्षी विधायकों की संख्या घटकर अब सिर्फ 82 रह गयी है। ऐसे में महाराष्ट्र में 2024 के आमचुनाव में भाजपा ज्यादा ताकतवर तरीके से मैदान में उतरेगी, इसमें दो राय नहीं है।

बिहार की 40 लोकसभा सीटों और महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों को भाजपा अपने लिए चुनौती के रूप में देख रही थी। उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा 48 लोकसभा सीट देने वाले महाराष्ट्र में भाजपा को अपने सुनहरे भविष्य के लिए विपक्षी एकता को तोड़ना जरूरी था। शिवसेना की टूट के बाद आधी रह गई विपक्षी ताकत को अजीत पवार के विद्रोह ने लगभग खत्म कर दिया है। फिलहाल महाराष्ट्र में भाजपा मजबूत स्थिति में है।

अजीत पवार से अपनी लड़ाई को उनके चाचा शरद पवार जनता के बीच में ले जाने का एलान कर चुके हैं। ऐसे में महाराष्ट्र की जनता किसके साथ खड़ी है, यह आने वाले नगरीय निकाय चुनाव, लोकसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में पता चलेगा। लेकिन उद्धव और शरद पवार दोनों को नए नाम, नए चुनाव चिन्ह और नए नेताओं के साथ पार्टी खड़ी करना आसान नहीं होगा। शरद पवार की पार्टी में हुई बगावत ने मोदी के खिलाफ एकत्रित हो रहे विपक्षी नेताओं को तगड़ा झटका भी दिया है।

ऐसे में महाराष्ट्र की राजनीति में अजीत पवार की बगावत पूर्ण विराम नहीं है। एनसीपी में उठापटक भले खत्म हो गयी हो लेकिन महाराष्ट्र अभी और राजनीतिक उठापटक का गवाह बनेगा यह तय है। विपक्ष को साथ लाते लाते भाजपा ही इतने विरोधाभासों से भर गयी है कि भविष्य में लंबे समय तक उसे साध पाना उसके लिए आसान नहीं होगा। वैसे भी अजीत पवार बार बार मुख्यमंत्री बनने की इच्छा सार्वजनिक रूप से जाहिर कर चुके हैं। भविष्य में अपनी इच्छा पूर्ति के लिए वो प्रयास नहीं करेंगे, ये कैसे कहा जा सकता है?

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच पर्दे के पीछे जारी शह और मात का खेल रविवार को अंतिम नतीजे पर पहुंच गया। अजीत पवार 40 विधायकों के साथ बगावत करके महाराष्ट्र में भाजपा और एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल हो गये। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में यह विभाजन उसी तरह हुआ है जिस तरह शिवसेना में एकनाथ शिंदे ने अपने समर्थक विधायकों के साथ किया था। फर्क इतना है कि एकनाथ जिस सरकार का हिस्सा थे, उसी सरकार को गिराकर भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री बने और अजीत पवार विपक्ष के नेता रहते हुए अपनी ही पार्टी से विद्रोह कर बैठे। अजीत पवार सहित 9 राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायकों को मंत्री बनाया गया है। अजीत पवार ने दावा किया है कि 53 में से 40 विधायक उनके साथ हैं। बगावत को अंजाम देने वाले अजीत पवार खुद उपमुख्यमंत्री बन गए हैं। भारतीय जनता पार्टी जिसके सबसे ज्यादा 105 विधायक हैं, उसके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस शिंदे सरकार में पहले से ही उप मुख्यमंत्री है।

दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस में यह बगावत अचानक नहीं हुई। इसकी पटकथा तब से लिखी जा रही थी, जब से एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे से बगावत कर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी। शिंदे सरकार को तीन दिन पहले 30 जून को एक साल पूरा हुआ था। इस एक साल में शरद पवार महाराष्ट्र के साथ साथ पूरे देश में विपक्षी एकता को मजबूत करने में जुटे थे। वहीं उनके भतीजे पिछले एक साल से भाजपा के साथ सरकार का हिस्सा बनने की रणनीति बनाने और बगावत को अंजाम देने में जुटे थे। भतीजे की बगावत और उसको भाजपा के पाले में जाने से रोकने के लिए शरद पवार ने एक मई को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हांलाकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मान मनोव्वल के बाद उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया था।

पार्टी में सभी इस बात को जानते थे कि शरद पवार ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा अजीत पवार के भाजपा के साथ जाने की इच्छा और उनकी महत्वकांक्षा को लगाम लगाने के लिए दिया है। अजीत पवार शरद पवार के फिर से अध्यक्ष बनने से सहमत नहीं थे और चाहते थे कि पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हो और उनको कमान सौंपी जाए। अजीत पवार ने शरद पवार के इस्तीफे का न विरोध किया और न ही इस्तीफा वापस लेने का समर्थन किया। इसके बाद शरद पवार ने अजीत पवार का कद कम करने के लिए 10 जून को बारामती से अपनी सांसद बेटी सुप्रिया सुले और अपने करीबी प्रफुल्ल पटेल को राष्ट्रवादी कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया।

शरद पवार का अपने भतीजे को संदेश साफ था कि पार्टी का भविष्य उनकी बेटी सुप्रिया सुले होगी,अजीत पवार नहीं। पवार की इस नियुक्ति को अपने लिए सीधी चुनौती मान रहे अजीत पवार ने उसी दिन ठान लिया था कि बस अब बहुत हुआ। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद जब प्रफुल्ल पटेल अजीत पवार से मिलने पहुचे तो अजीत ने प्रफुल्ल पटेल को पार्टी के चुनाव चिन्ह घड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि अब फैसले की घड़ी आ गई है और मैं फैसला कर चुका हूं। ऐसा नहीं है कि फैसले की इस घड़ी से शरद पवार सजग नहीं थे। वो सजग थे और समझ भी रहे थे लेकिन वो पार्टी में अजीत पवार के दबदबे से भी वाफिक थे, इसलिए सीधे दो दो हाथ करने से बच रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने लेखक से कहा है कि अजीत पवार के बगावती तेवरों को नजरअंदाज करना शरद पवार की राजनीतिक मजबूरी रही है। 23 नवंबर 2019 को अजीत पवार ने देवेन्द्र फड़नवीस के साथ सरकार बनाकर पहली बार शरद पवार के नेतृत्व को सीधी चुनौती दी थी। उसके बाद भी उद्धव सरकार में अजीत का उपमुख्यमंत्री बनना पार्टी में उनकी धमक दिखाने के लिए काफी था। उद्धव सरकार गिरने के बाद सदन में विपक्ष का नेता बनना भी पार्टी में अजीत के दबदबे को दिखाने के लिए पर्याप्त था।

बहरहाल शरद पवार के लिए इतिहास ने मानों घड़ी की सुई दोबारा घुमा दी है। 1987 में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसंत दादा पाटिल के खिलाफ ऐसा ही विद्रोह किया था और 40 विधायकों के साथ प्रोगेसिव डेमोक्रेटिक फ्रंट बना लिया था। इसी एलांयस के बल पर वो वसंत दादा पाटिल को हटाकर मुख्यमंत्री बने थे। अब 36 साल बाद उनके ही भतीजे ने ठीक उसी तरह से 40 विधायक तोड़कर उनके राजनीतिक भविष्य पर ग्रहण लगा दिया है। शरद पवार कह तो रहे हैं कि वो पार्टी को दोबारा खड़ा कर लेंगे लेकिन इसके लिए बहुत देर हो चुकी है। उम्र के 80 पड़ाव पार कर चुके शरद पवार के लिए फाइट बैक करना मुश्किल है। फिलहाल बगावत के दूसरे दिन जहां शरद पवार जनता के बीच जाने के लिए सतारा निकल गये वहीं अजीत पवार मुंबई में बैठकर विधायकों को एकजुट करने में जुट गये।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

त्रिपुरोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

नवमुद्रा योनि, बीज, खेचरी, महांकुश, महोन्मादिनी, सर्ववशंकरी, सर्वाकर्षिणी, सर्वविद्राविणी एवं सर्वसंक्षोभिणी मुद्राएँ। नवभद्रा कामेश्वरी आदि नवशक्तियाँ ही नव भद्राएँ हैं। नवभद्रा आदिरूप में, उन्नीस तत्त्व समूह रूप में, चालीस शक्तियों के रूप में तथा तीन समिधा के रूप में अपनी सन्तानों के लिए कल्याण कामना करने वाली माता के समान (ब्रह्मपद प्राप्ति की कामना वाले) मुझमें प्रवेश करें अर्थात् मेरे अन्त:करण में प्रविष्ट हों। [19 तत्त्व 5 ज्ञानेन्द्रियाँ 5 कर्मेन्द्रियाँ 5 प्राण 4 अन्त:करण 29 तत्त्व 19 तत्त्व 5 विषय (शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गन्ध,) +5 उपप्राण 40 शक्तियाँ 14 अन्त: बाह्य इन्द्रियाँ एवं इन्द्रियों के अधिपति+3 कर्म (तूल, मूल, अविद्याजन्य) +4 गुण (विक्षेप, आवरण, मुदिता, करुणा) विश्व, विश्वादि, तुर्य, प्राज्ञ आदि भेद से युक्त; तीन समिधा क्रिया, ज्ञान, इच्छात्मक तथा ज्ञान, विज्ञान तथा सम्यक् ज्ञान।]

ऊर्ध्व (ऊपर) की ओर प्रज्वलित होने वाली और प्रकाशित होने वाली ज्योति सर्वप्रथम अनुभव में आती है। इसके विपरीत तमोगुण तिरश्चीन (तिरछी गति वाला) और अजर है, उससे रजोगुण उत्पन्न हुआ। यह ज्योति आनन्द और प्रसन्नता देने वाली है तथा इन्दु के (चन्द्रवत् शीतल) गुणों से विभूषित करती है। जो तीन रेखाएँ हैं, चार सदन हैं, तीन भू (स्थल) हैं, तीन विष्टप, तीन गुण और तीन-तीन प्रकार (भेद) हैं। ये सभी त्रिक पूर्णता प्रदान करने के साधन स्वरूप हैं। मन्त्र में (श्री चक्र में) कामना (पूर्ण करने वाली) शक्ति से मदन (कामना के अधिष्ठाता देवता) जय शील हो। [तीन रेखा क्रिया, ज्ञान और इच्छाशक्ति, चार सदन जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति एवं तुरीय अथवा नेत्र, कण्ठ, हृदय और सहस्त्रार चक्र; तीन भू: - भू: भुव: एवं स्व:; तीन विष्टप एवं तीन गुण तम, रज एवं सतोगुण; तीन-तीन प्रकार तम सत तम, रज-तम, तमतम रज सत+रज, रज रज, तम+रज; सत-सत+सत, सत+रज, सततम।] (उनके परिवार के आवरण देवता की संख्या पन्द्रह है, जो क्रमश:) मदन्तिका, मानिनी, मंगला, सुभगा, सुन्दरी, सिद्धिमत्ता, लज्जा, मति, तुष्टि, इष्टा, पुष्टा, लक्ष्मी, उमा, ललिता एवं लालपन्ती हैं। **क्रमश: ...**

बच्चों की मदद करके चुका रहा हूँ कर्ज

सुवास दार्वेकर

स्कूल में नियम था कि सभी बच्चे चमकते हुए काले जूते पहनकर ही पढ़ने आएँगे। लेकिन हेडमास्टर ने मुझे टूटी-फूटी चप्पल पहनकर स्कूल आने से कभी नही रोका। मैं बचपन में एक पढ़ाकू बच्चा था। तेज होने के कारण मुझे शिक्षकों का विशेष स्नेह मिलता था। मुझ पर हेडमास्टर साहब तो कुछ ज्यादा ही मेहरबान रहे।

दरअसल उन्हें मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति का बखूबी अंदाजा था। मैं बहुत छोटा था, जब एक दुर्घटना में मेरे पिता जी आँखों की रोशनी चली गई। गरीब तो हम पहले से ही थे। लेकिन परिवार के एक मात्र कमाऊ इंसान के इस तरह बेकार हो जाने से हमारा परिवार एक-एक दाने का मोहताज हो गया। अनगिनत मौके आए, जब मेरे परिवार को भूखे पेट सोना पड़ा। मेरा बचपन समझने के लिए आप वे सारे दृश्य सोच सकते हैं, जो अभावों में रहने वाले किसी भी परिवार के साथ चलते हैं। मैं मुंबई की झुग्गियों में पला-बढ़ा एक दंत चिकित्सक हूँ। बचपन में मैं पेट्रोल पंप और फैक्टरियों में काम करता था, ताकि घर वालों की मदद कर सकूँ।

मुझे याद है मैं आठवीं कक्षा में पढ़ रहा था, एक सीनियर ने मुझसे मेरी यूनिफॉर्म के बारे में पूछा था। असमर्थता जताने के अगले ही दिन मुझे उन्होंने नई यूनिफॉर्म खरीद कर दी थी। अब तक की जीवन यात्रा में कई लोगों ने मेरी विभिन्न तरीके से मदद की है। शिक्षकों ने भावनात्मक सहारा दिया, तो कई दूसरे लोगों ने मेरी फीस का इंतजाम किया। लेकिन जब मैं बारहवीं कक्षा में था, तब फीस के लिए मात्र पचास रुपये कम पड़ जाने की वजह से मेरा पूरा साल बर्बाद गया था। अगले साल पढ़ाई पूरी करके मैंने चिकित्सक बनने का सपना देखा। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार की बाधा पार करने के बाद मेरी पृष्ठभूमि देखते हुए इलाके के विधायक ने डॉक्टरों की पढ़ाई के लिए लगने वाली फीस जमा कर दी। मेरे लिए यह बड़ी राहत की बात थी।

इस बीच मैं एक एनजीओ के संपर्क में आया, जिसने डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए मुझे जरूरी उपकरण मुहैया कराए। डॉक्टर बनने के बाद मैंने खूब मेहनत की और बहुत जल्द अपना खुद का क्लीनिक शुरू कर दिया। लेकिन मेरा मकसद क्लीनिक खोलना नहीं, बल्कि दुनिया का वह कर्ज उतारना था, जिसकी बदौलत मैं कुछ हासिल कर सका। इसी उद्देश्य के साथ मैंने एक चेरिटेबल डेंटिस्ट ऑरगेनाइजेशन की शुरुआत की। यह संस्था आदिवासियों और वंचितों को मुफ्त चिकित्सीय सुविधाएँ प्रदान करती है। धीरे-धीरे इस संस्था से सभी प्रकार के डॉक्टर जुड़ते गए। मसलन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हृदय विशेषज्ञ जैसे डॉक्टर मिलकर लोगों की सेवा कर रहे हैं। इसके अलावा मैंने हमेशा गरीब बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया है, ताकि वे आगे चलकर अपनी और अपने परिवार की दरिद्रता दूर कर सकें। इसी कड़ी में मैंने अब तक हजारों जरूरतमंद बच्चों को जूते व अन्य जरूरी चीजें मुहैया कराई है। मैंने यह भी महसूस किया है कि गरीबों की बस्ती से स्कूल दूर होना भी एक बड़ी समस्या है।

स्कूल जाने के लिए बचपन में मैं भी दूसरों के रहमो करम से बस के किराये का इंतजाम कर पाता था। चूंकि इन सारी बातों को मैं बहुत अच्छे से समझता हूँ, इसलिए इस समस्या के समाधान के लिए मैंने उन तमाम छात्र-छात्राओं को साइकिल खरीदकर दी है, जो सिर्फ स्कूल दूर होने की वजह से किताबों से दूर थे ।

गाल बजाता विपक्ष

अनुज अग्रवाल

देश की राजनीति में विचित्र तरह की हलचल है। समूचा विपक्ष मानो मोदी सरकार के तख्तापलट को तैयार बैठा हो। लेकिन विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार को जीतनराम् माँझी तो शरद पवार को उनके भतीजे अजीत पवार ने जी तरह बीच मझधार में छोड़ एनडीए का दामन थामा उससे इनके नेतृत्व पर ही प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए। लोकसभा चुनाव पास आते देख यह हलचल होना स्वाभाविक भी है। लगातार दो बार मात खाया विपक्ष किसी भी कीमत पर सत्ता वापसी के लिए संघर्ष करता दिख भी रहा है मानो यह आर पार की लड़ाई हो। तो एनडीए भी हर क़ीमत पर तीसरी बार सत्ता में आने के लिए ताल ठोंक रहा है।हाल ही में पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर जुटे 16 -17 विपक्षी दलों ने अनेक आपसी मतभेद और सत्ता संघर्ष के बीच भी एकजुटता दिखाने की कोशिश भी की चिंता कांग्रेस पार्टी के तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से गहरे मतभेद सामने आ ही गए। सैद्धांतिक रूप से साथ लड़ने की कसमें खाने के बाद अब जुलाई में बैंगलोर में कांग्रेस पार्टी की पहल और नेतृत्व में विपक्षी जुटान होगा। बहुत सारे विपक्षी दल नीतीश कुमार की इस पहल से दूर रहे तो उधर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए अपने विस्तार की तैयारी में जुटा दिख रहा है। कुल जमा अभी विपक्ष औपचारिक गठजोड़, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व इन सभी मुद्दों पर आत्ममंथन और चिंतन कर रहा है। हाँ यह स्पष्ट दिख रहा है कि वे सब भाजपा के प्रखर राष्ट्रवाद और बहुसंख्यकवाद की राजनीति से घबराए हुए हैं किंतु इसकी कोई काट या तोड़ उनके पास दिखाई नहीं दी और वे सेकुलरवाद व तुष्टिकरण के नारे पर ही टिके हुए हैं।

विपक्ष का अनेक दलों में बँटा रहना, आपस में विलय कर एक दल न बना पाना, एक सर्वमान्य नेतृत्व न ढूँढ पाना तो उनकी असफलता के सर्वमान्य लक्षण हैं जिन पर सार्वजनिक रूप से खांसी बहस हो चुकी है किंतु विपक्ष का उससे भी बड़ा संकट है बदलते समय और परिस्थितियों से तालमेल न बैठा पाना। विपक्षी दल पिछले नौ सालो में देश में हुए विकास व केंद्र सरकार की प्रत्येक पहल में व्यापक जन सहभागिता को समझ ही नहीं पा रहा। हमेशा नकारात्मक व आलोचनात्मक रहना , देश विदेश में भारत की छवि बिगाड़ने की कोशिश करना , देश में अल्पसंख्यकवाद व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना, बिना राष्ट्र हित को ध्यान में रखकर तुरंत लाभ के लिए गलत नीतियों को अपने शासित राज्यों में लागू करना, राष्ट्रवाद व हिंदुत्व के मुद्दों का मौखल उड़ाना आदि आदि। विपक्ष समझ नहीं पा रहा है कि अब देश में अल्पसंख्यकवाद और सेकुलर पंथी बाँटो और राज करो की राजनीति सिकुड़ रही है और राष्ट्रवाद, विकास की राजनीति बहुसंख्यकवाद व नरम हिंदुत्व तेजी से जगह बना चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका पर्याय बन चुके हैं। विपक्ष ने पिछले नौ सालो में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, जीएसटी, नोटबंदी, किसानों व पेंशन जैसे अनेक मुद्दों पर भ्रमित करने वाला जमीनी संघर्ष किया किंतु जनता ने अंतत् मोदी सरकार का साथ दिया। जनता बदलाव चाहती है और इसलिए वह हर रोज़ नई पहल करने वाले नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी हुई है। युवाओं के देश भारत की जनता अनेक विसंगतियों व चुनौतियों के बाद भी हमेशा सकारात्मकता व हर कीमत पर आगे बढ़ते रहने को तैयार रहती है , इसलिए उसने कोविड जैसे महामारी को भी झेलकर देश की अर्थव्यवस्था को पुन् पूर्व की स्थिति में खड़ा कर दिया है। आज पूरी दुनिया में भारत को वैश्विक नेता के रूप में देखा जा रहा है। हाल के अमेरिकी दौरे में प्रधानमंत्री मोदी एक महानायक बनकर उभरे हैं।जो सम्मान, समर्थन और महत्व उनको मिला वह अविस्मरणीय है। अमेरीका की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस में जैसा भव्य स्वागत हुआ और अमेरिकी संसद में उनके संबोधन को जिस तरह सराहा गया, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि दोनों देशों के संबंध एक नए युग में पहुंच रहे हैं। वैसे तो दोनों देशों के संबंध एक लंबे समय से प्रगाढ़ हो रहे हैं, लेकिन इसके पहले किसी भारतीय प्रधानमंत्री को अमेरीका में शायद ही इतनी महत्ता मिली हो।

लेकिन भारत का विपक्ष इस बड़ी उपलब्धि पर देश के साथ खड़ा नहीं दिखता । अमेरीका एवं भारत के बीच बढ़ती प्रगाढ़ता से चीन पर भारत की निर्भरता न्यूनतम हो जायेगी। चीन की दादागिरी उसके लिये कितनी नुकसानदेय साबित हो रही है कि एक बड़ा बाजार चीन के हाथ से निकल रहा है। अगर विपक्ष को देश की मुख्यधारा की राजनीति में रहना है तो उसको भी अपना दृष्टिकोण , चिंतन, कार्योजना व शैली सब बदलने होंगे। इसके साथ ही आपसी विलय कर एक दल के रूप में सामने आना होगा और मोदी जी के समकक्ष उतना ही योग्य प्रतिद्वंदी खड़ा करना होगा अन्यथा उनकी सारी रेस अपने अस्तित्व को जैसे तैसे बचाने की रह जाएगी , देश की सत्ता में तो वे आने से रहे। निश्चित रूप से अनेक राज्यों में विपक्ष भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहा है और विपक्ष के पास अनेक क्षेत्रीय कद्दावर नेता हैं जिनकी अपने अपने प्रदेश में व्यापक लोकप्रियता और विश्वसनीयता है किंतु कोई एक भी राष्ट्रीय स्तर की सोच और व्यक्तित्व वाला नहीं है। इसी कारण आज की केंद्र की राजनीति की दिशा और मुद्दे भाजपा ही तय करती है और विपक्ष उसका मात्र पीछा करता दिखता है। कश्मीर से धारा 370 कि हटाना हो, राम मंदिर का निर्माण हो या अब समान नागरिक संहिता को लागू करने की बात , भाजपा अपने मूल एजेंडे से कभी नहीं भटकी। अब शीघ्र पाक अधिकृत कश्मीर पर भी कब्जे की हुंकार देश के रक्षा मंत्री कर रहे हैं तो नए पेंशन बिल को भी लाने की तैयारी है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पिछले कुछ समय में अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने पर सैकड़ों रैली कर चुका है, हज़ारो योजनाएं पूरी कर लागू की जा रही हैं और विपक्ष बस एकता के नाम पर गाल बजा रहा है।

बापू की दिनचर्या

सूत्र-यज्ञ (भाग-2)

गतांक से आगे...

आरंभ में रोज एक सौ साठ तार अर्थात् दो सौ पंद्रह गज सूत कातने का बापू का नियम था, लेकिन बाद में समय के अभाव तथा हाथ की तकलीफ के कारण वे एक सौ बीस तार कातने लगे थे। दूसरे की बनाई पूनियों से कातने को वे अपूर्ण यज्ञ की संज्ञा देते। उनका कहना था कि असमर्थता के कारण उनके सरीखा व्यक्ति अपनी पूनियाँ भले ही न बना सके, लेकिन समर्थ व्यक्ति को अपनी पूनियाँ खुद तैयार करनी चाहिए। बापू तन्मय होकर चरखा चलाते। सामान्यत: वे आध से पौन घंटे तक सूत्र - यज्ञ करते, किंतु यरवदा जेल में सन् 1922 में खूब सूत कातते। उन दिनों वहाँ सूत अधिक काटने के कारण आँखों में काफी दर्द होने पर चिकित्सकों ने उनसे आराम करने का आग्रह किया, किंतु वे नहीं माने। उन दिनों इस काम में वे चार घंटे लगाते। तीन घंटे वे कातते और एक घंटा पजते। वहाँ जेल का वार्डर (चौकीदार) था सोमालीलैंड का निवासी आदन नामक नवयुवक सिपाही, जो एक हाथ से लूला था। वह बापू का भक्त बन गया। उसने भी उनसे आराम करने का आग्रह किया। तब उन्होंने सूर्य के सदा कार्यरत रहने, निश्चित समय पर निकलने और संपूर्ण जगत को प्रकाशित करने का उदाहरण देते हुए अपना कार्य छोड़ने में असमर्थता प्रकट की बापू के अकाट्य तर्क के सामने निरूत्तर हो जाने पर भी उसकी इच्छा यही थी कि बापू काम कम करें तो अच्छा। कुछ समय बाद जब उनका स्वास्थ्य अधिक खराब हो गया और जब उन्होंने चार के बजाय दो ही टोस्ट लिए तब आदन से न रहा गया। वह बोल उठा-सूर्य अपने नियम को भंग नहीं करता, तब आप रोटी में कैसे कमी कर सकते हैं? आदन की इस दलील पर बापू को हँसी आ गई। उसके लिए बापू के हृदय में बड़ा स्थान था। वह बापू की सेवा का समुचित ध्यान रखता। यरवदा में सन् 1930 और 32 में भी बापू की कताई का यही हाल रहता।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

इंजन कमजोर होंगे, इसलिए महाराष्ट्र में ट्रिपल इंजन की जरूरत : टीएस सिंहदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- इंजन कमजोर होंगे, इसलिए उन्हें अब तीन इंजन की जरूरत है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार है, मैं डिप्टी सीएम बना हूं। लेकिन हम यहां कोई इंजन नहीं बना रहे हैं। हम सभी (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री) डिब्बों की तरह मुख्यमंत्री के साथ मिलकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीएस का बयान केजरीवाल के भ्रष्टाचार के आरोपों पर उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा। जिन्होंने भी गलत काम किया है। उनके खिलाफ जांच और कार्रवाई होती रही है। केजरीवाल जी को तो पहले अपने करीब देखना चाहिए। पायलट विचारवान लीडर, भविष्य उनका है- राजस्थान में पायलट और गहलोत खेमे के सवाल पर टीएस सिंहदेव ने कहा, राजस्थान में एक युवा को पीसीसी प्रमुख के रूप में काम करने का मौका मिला था। उनके पीसीसी प्रेसिडेंट रहते सभी के सहयोग से वहां सरकार बन पाई थी। अन्य दलों के सहयोग भी मिला, जिससे वहां आज स्थिर सरकार है। पायलट की आयु भी 50 के करीब है, काफी यंग हैं, डायनमिक लीडर हैं। पायलट विचारवान लीडर हैं, भविष्य उनका है। उन्हें धैर्य रखना चाहिए। पूरी संभावना है कि आज नहीं तो कल उनको राजस्थान को लीड करने का मौका कांग्रेस पार्टी की ओर से मिल सकता है।

खाद्य मंत्री कल शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत कल 05 जुलाई को सरगुजा (अम्बिकापुर) जिले के बतौली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायतों का दौरा करेंगे और वे वहां आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंत्री श्री भगत बौरीपारा निवास अम्बिकापुर से सुबह 11.30 बजे बतौली के लिए रवाना होंगे और वे वहां दोपहर 12.30 बजे हायर सेकेण्डरी स्कूल बतौली में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे इसके बाद सीतापुर जाएंगे और वहां आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

19 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का आज से प्रशिक्षण शिविर की होगी शुरुआत

रायपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के परिप्रेक्ष्य में बूथ प्रबंधन सहित विधानसभा चुनाव की तैयारी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 5 से 9 जुलाई तक 19 विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभावार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। अभी तक 63 विधानसभा क्षेत्रों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विधानसभा चुनाव के विभिन्न पहलुओं, विषयों पर विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण शिविर में उस विधानसभा में निवासरत प्रदेश, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गण, सेक्टर जोन के कमेटी के अध्यक्ष, प्रभारी नगरीय-निकाय एवं जिला, जनपद पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण, कृषि उपज मंडी, सहकारी समिति के पदाधिकारीगण भाग लेंगे। 05 जुलाई को भरतपुर सोनहट, लैलुंगा, रायगढ़, कोरबा, आरंग, सारंगढ़। 06 जुलाई को मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, रायपुर ग्रामीण। 07 जुलाई को खरसिया, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी। 08 जुलाई को बिलाईगढ़। 09 जुलाई को राजिम, लुण्ड्रा, सीतापुर।

गृहमंत्री शाह आ रहे हैं आज रायपुर

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बुधवार को यहां आने का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी हो गया है। पिछले माह भी श्री शाह छत्तीसगढ़ आए थे और दुर्ग में उनका मुख्य कार्यक्रम था। प्रधानमंत्री मोदी के 7 को रायपुर आने से पहले श्री शाह का रायपुर आना काफी अहम माना जा रहा है। श्री शाह आज शाम 7 बजे यहां पहुंचेंगे। वे अगले दिन सुबह 10 बजे दिल्ली प्रस्थान करेंगे। प्रवास के दौरान रात्रि विश्राम, और भोजन भी कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में करेंगे। श्री शाह किसी शासकीय कार्यक्रम में हिस्सा लेने नहीं बल्कि पार्टीगत कार्यों से रायपुर आ रहे हैं। प्रदेश प्रवास के दौरान रणनीतिक चर्चा भी नेताओं के साथ करेंगे। जो प्रोटोकाल जारी हुआ है उसके मुताबिक दिल्ली से सीधे रायपुर आकर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचेंगे, और रात्रि विश्राम भी वहीं करेंगे। श्री शाह पदाधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे।केन्द्रीय गृहमंत्री गुरूवार करीब 10.30 बजे दिल्ली वापस चले जाएंगे। शाह के दौरे से पहले प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और नितिन नबीन यहां पहुंच गए हैं।

प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारी गए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

रायपुर। अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारी मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं और पहले ही दिन स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर देखने को भी मिला। अस्पताल के हर कर्मचारी की अनुपस्थिति से ओपीडी, आईपीडी का काम प्रभावित रहा। इस हड़ताल में डियोग्राफर, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, ने सहायक अधिकारी ओटी टेक्नीशियन, स्टॉफ नर्स, वार्ड बॉय, आया बाई सभी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की सभा में जुटेगी डेढ़ लाख लोगों की भीड़

घर-घर न्यौता दे रहे बीजेपी कार्यकर्ता, नितिन नबीन ने ली बैठक

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के रायपुर प्रवास को लेकर छत्तीसगढ़ बीजेपी जी जान से तैयारियों में जुटी हुई है। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के मोर्चों की संयुक्त बैठक सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में हुई। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा के साथ ही पार्टी के कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। बैठक में प्रदेश भाजपा सह प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

बैठक में प्रदेश सह प्रभारी ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में संख्या की मॉनिटरिंग के लिए अलग-अलग टीम बनाने के लिए निर्देशित किया है। कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि वे सोशल मीडिया का सदुपयोग करें और भाजपा की विचारधारा से युवाओं को जोड़ने कॉलेज, कोचिंग सेंटर और खेल मैदानों तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जनता से सीधा संवाद करना चाहते हैं। इसलिए उनके कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भीड़ जुटाई जाए। इसके लिए भाजपा इंटरनेट मीडिया पर प्रचार-प्रसार के साथ-साथ घर-घर जाकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दे रही है। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में पीएम मोदी की बड़ी सभा होनी है। इसके लिए तैयारी तेज हो गई है। करीब डेढ़ लाख लोगों की भीड़ जुटाने का टारगेट है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष साव ने सभी मोर्चा पदाधिकारियों को सौंपे गए कार्यों की समीक्षा की और शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मोर्चावार संख्या को लेकर भी बैठक में विचार विमर्श किया गया। बैठक में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, महिला मोर्चा अध्यक्ष शालिनी राजपूत, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष शकील अहमद, एसटी मोर्चा अध्यक्ष विकास मरकाम, किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन साहू, एससी मोर्चा अध्यक्ष नवीन मार्कंडेय, किशोर महानंद आदि मौजूद रहे।

वॉटर प्रूफपंडाल से पीएम नरेन्द्र मोदी करेंगे जनसभा को संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजधानी के साइंस कालेज मैदान में आयोजित सभा की तैयारियों का निरीक्षण करने वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा अध्यक्ष अरूण साव आदि पहुंचे और मंच आदि की व्यवस्था देखी।

ज्ञात हो कि 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक विशाल सभा राजधानी रायपुर के साइंस कालेज मैदान में आयोजित है। सभा के पूर्व मंच की साज-सज्जा, पंडाल आदि की व्यवस्था, बैठक, पेयजल आदि की व्यवस्था देखने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव, सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल व राजेश मूणत आदि पहुंचे थे। ज्ञात हो कि वर्तमान में मानसून का सीजन चल रहा है। शहर में पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय हो गया, बारिश थमी हुई है। लेकिन अब मौसम विभाग द्वारा मानसून के फिर से सक्रिय होने तथा बारिश की संभावना जताने के बाद भाजपा नेताओं ने मंच को वॉटरप्रूफबनाने व भव्य स्वागत की तैयारी का जायजा लिया गया है। सुरक्षा के लिए 200 अधिकारियों सहित 1200 पुलिस वालों की ड्यूटी लगाई गई है । कार्यक्रम के 2 दिन पहले एसपीजी की टीम सभा स्थल को अपने कब्जे में ले लेगी। भाजपा नेताओं ने कहा कि वर्तमान में हर व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों व कार्यों से प्रभावित है। यही वजह है कि उनकी सभा में लाखों लोगों के जुटने की संभावना है।

महंगाई मैन मोदी ने जनता की थाली में आग लगाई: मरकाम

रायपुर। कांग्रेस ने महंगाई को लेकर प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि महंगाई मैन मोदी ने जनता की थाली में आग लगा दी है। आटा, तेल, दाल, सब्ज़ी, फल सबकी कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जनता त्रस्त है और साहेब बहादुर मस्त हैं। पूंजीपतियों की संपत्ति बढ़ाने और जनता से टैक्स वसूल करने में व्यस्त मोदी सरकार गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को भूल चुकी है। मोदी सरकार मुनाफाखोरी छोड़ महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए। महंगाई से प्रभावित सबसे गरीब तबके को आर्थिक राहत पहुंचाई जाए।

मरकाम ने कहा कि कल आंकड़े आए कि दो साल में बेरोजगारी अपनी चरम सीमा पर है। इसीलिए महंगाई ने बेरोजग़ारी से त्रस्त जनता की कमर और तोड़ दी है। महंगाई का ब्रेक तो ऐसा फेल हुआ कि खाने-पीने की जरूरी चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे बिस्कुट, नमकीन, चाय पत्ती के दाम तो बढ़ाए ही जा रहे हैं, साथ ही उनका वजन भी घटाया जा रहा है। युवा या तो बेरोजगार हैं, अगर रोजगार है तो आय कम है। गरीब खाने को तड़प रहे हैं, मध्यमवर्ग बचाने को तरस रहा है। मगर इन सबके बावजूद महंगाई मैन मोदी को फर्क नहीं पड़ता है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि मोदी सरकार तुरंत ज़रूरी चीज़ों के दामों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए। सब्जी के बढ़ते दामों को कम करने के लिए डीजल की कीमत घटाई जाए। अन्तर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के सस्ते होने का फायदा आम जनता तक पहुंचाया जाए और मुनाफ़ाखोरी बंद की जाए। सरकार निर्मम टैक्स वसूली बंद करे और आटा, दही जैसी चीज़ों से जीएसटी हटाया जाए। महंगाई से प्रभावित सबसे गरीब तबके को आर्थिक सहायता पहुंचाई जाए।

पिछले कुछ महीनों में टमाटर, प्याज और आलू से लेकर चावल और गेहूं, अरहर दाल, चायपत्ती ने परिवारों के बजट बिगाड़ डाले हैं। जो टमाटर एक महीने पहले 10-15 रुपये किलो बिक रहा था वह अब 100-150 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। टमाटर के बाद मिर्च के दाम ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। देश के अधिकांश हिस्सों में हरी मिर्च की कीमत 400 रुपये किलो पर पहुंच चुकी है। नींबू भी चार सौ को पार कर चुका है। इनके साथ ही धनिया 200 रूपये प्रति किलो, अदरक 400 रूपये प्रति किलो, लहसुन 130 रूपये प्रति किलो, परवल 80 रूपये प्रति किलो, अरबी 80 रूपये प्रति किलो और भिंडी 70 रूपये प्रति किलो हो गई है। आने वाले दिनों में कीमत और बढऩे की उम्मीद है। यह क़ीमत सिर्फ़ बारिश की वजह से ही नहीं, बल्कि सामान के ट्रांसपोर्टेशन की कीमत की वजह से भी बढ़ रही हैं। मरकाम ने कहा कि आज सब्जी ही नहीं दाल भी आम जनता के लिए दूभर हो गई है। अरहर के साथ-साथ उड़द दाल भी महंगी हो गई है। बाजार में अरहर और उड़द की किल्लत है। पिछले तीन महीने के अंदर ही अंदर अरहर दाल की कीमत में 80 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। 72 से 75 रुपये किलो मिलने वाली अरहर दाल अब दिल्ली-एनसीआर में 160 से 170 रुपये किलो हो गई है। इसी तरह उड़द दाल भी 30 रुपये महंगी हो गई है। अब एक किलो उड़द दाल के लिए लोगों को 80 की जगह 110 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। यही नहीं दाल और सब्जी का जायका बढ़ाने वाला जीरा के दाम में भी एक महीने में 200 रुपये किलो इज़ाफ़ा हुआ है। अब एक किलो जीरे की कीमत लगभग 800 रुपये है। यही जीरा कुछ साल पहले तक 180 से 200 रुपये किलो हुआ करता था।

6 को बघेल कैबिनेट की बैठक, मानसून सत्र पर भी बनेगी रणनीति

रायपुर। रायपुर में भूपेश बघेल कैबिनेट की बैठक 6 जुलाई को हो सकती है। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले बघेल सरकार कई अहम फैसले ले सकती है। चुनावी साल के मद्देनजर कई कर्मचारी संगठन प्रदेश में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में कयास यह लगाए जा रहे हैं कि बघेल कैबिनेट की बैठक में कर्मचारियों के हितों को लेकर सरकार कोई फैसला ले सकती है।

अनियमित और संविदा कर्मचारियों को मिल सकती है सौगात

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बघेल कैबिनेट की बैठक में अनियमित और संविदा कर्मचारियों को नियमितिकरण की सौगात मिल सकती है। उनकी इस मांग पर बड़ा फैसला हो सकता है। अगर भूपेश बघेल सरकार इस तरह का फैसला चुनावी साल में लेती है तो राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए यह एक बड़ा कदम होगा। सोमवार तीन जुलाई से प्रदेश के कई जिलों में सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया है। इस आंदोलन में स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग समेत कई विभाग के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए सरकार इन कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने के बारे में सोच सकती है।

टीएस सिंहदेव ने कहा बघेल कैबिनेट मीट में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल पर भी बात होगी। इसके अलावा पंचायतकर्मियों के अनुकंपा नियुक्ति और नियमितिकरण जैसे मांगों के लेकर सरकार कर्मचारियों के संपर्क में है। लेकिन नियमों में ऐसा प्रावधान नहीं होने की वजह से उनकी मांगें पूरी नहीं हो पा रही है।

किसानों के मुद्दे और धान बुआई पर भी होगी चर्चा

बघेल कैबिनेट की मीटिंग में किसानों को लेकर भी चर्चा हो सकती है। मानसून का आगमन हो गया है। प्रदेश में खेती किसानी के कार्य में तेजी आने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। धान की बुआई के लिए किसान तैयारी कर रहे हैं। लिहाजा मानसून में किसानों को खाद और बीज की सप्लाई पूरी कराने को लेकर इस मीटिंग में फैसला हो सकता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र पर होगा मंथन

18 जुलाई से छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। इस सेशन में विपक्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर चुका है। ऐसे में सरकार भी इस अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देने की तैयारी कर चुकी है। बघेल कैबिनेट की मीटिंग में मानसून सत्र को लेकर कई रणनीति बनाई जा सकती है। इन रणनीतियों पर चर्चा होगी।

प्रदेश सह प्रभारी चंदन यादव कोरिया जिले के दौरे पर, कार्यकर्ताओं को किया रीचार्ज

कोरिया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश सह प्रभारी चंदन यादव सोमवार को कोरिया जिले के दौरे पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ बूथ चलो अभियान में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान विधायक विनय जायसवाल से नाराज लोगों ने अपनी नाराजगी भी जाहिर की।

इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चंदन यादव ने कार्यकर्ताओं को रीचार्ज किया। उन्होंने बूथ चलो अभियान की तैयारियों का जायजा भी लिया। कार्यक्रम में चंदन यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज महंगाई चरम पर आ गई है। इसके लिये कौन जिम्मेदार है, यह किसी से छुपा नहीं है। हर घर का बजट बिगड़ गया है। पूरे देश मे हाहाकार मचा हुआ है। जनता आज खामोश जरूर है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ की जनता इसका करारा जवाब जरूर देगी। बैठक में प्रदेश सह प्रभारी चंदन यादव ने कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेदों को दूर कर विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस को फिर से जीत दिलाने के लिए जोर दिया। बैठक के दौरान स्थानीय विधायक डॉ विनय जायसवाल को लेकर काफी विरोध भी देखा गया। चंदन ने कहा कि हम सब मिलकर 2023 के विधानसभा चुनाव को लड़ेंगे।

हड़ताली संविदा कर्मियों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ, बोले- कुंभकर्णी नींद में सोई सरकार को जगाएंगे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हड़ताल पर बैठे संविदाकर्मियों ने मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया। नियमितीकरण की मांग कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि, कुंभकर्णीय नींद में सोई सरकार को जगाएंगे। साढ़े चार साल बीत गए, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। कर्मचारियों ने कहा कि, सरकार नियमितीकरण को लेकर अपनी मंशा स्पष्ट करे। वहीं संविदा कर्मियों की इस हड़ताल का असर अब सरकारी कामकाज में दिखना शुरू हो गया है। दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण परेशान हो रहे हैं।

कर्मचारियों ने कहा कि वर्ष 2018 में भी हम नियमितिकरण के लिए हड़ताल कर रहे थे। इसी तीन जुलाई के दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री टीएस सिहदेव ने घोषणा की थी कि कांग्रेस की सरकार बनी तो 10 दिन में मांग पूरी करेंगे। उसके बाद कांग्रेस ने घोषणा पत्र में भी शामिल किया, लेकिन तीन जुलाई 2023 के दिन यानी 5 साल बाद हमको सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार की मंशा वादा पूरा करने की दिखाई नहीं दे रही है। उनको इसे स्पष्ट करना चाहिए। महासंघ के जिलाध्यक्ष रमाकांत पुनेठा ने कहा कि हम संविदा कर्मचारियों से साढ़े चार साल में सरकार की तरफ से संवादहीनता की स्थिति है। पूरे प्रदेश में रथयात्रा निकाल कर 33 जिलों के कलेक्टर, कई कांग्रेस विधायकों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन देने के बाद भी संवाद कायम नहीं किया गया। यह लोकतंत्र में चिंताजनक और दुखद है। सरकार अपने वादे के अनुरूप हमें नियमितिकरण पर स्पष्ट रूप से मंशा जाहिर करे। कहा कि, सरकार अनुपूरक बजट में शामिल कर संविदा कर्मचारियों को नियमित करे। अपनी एक सूत्रीय मांग नियमितीकरण को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे संविदा कर्मियों के समर्थन में आम आदमी पार्टी भी उतर आई हैं। हड़ताल के दूसरे दिन मंगलवार को आम आदमी पार्टी की बीजापुर जिला इकाई ने आंदोलनरत कर्मियों के धरना स्थल पहुंचकर उनको अपना समर्थन दिया। कहा कि, सरकार को जल्द से जल्द इन कर्मचारियों की मांग को पूरा करना चाहिए।

स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल से बिगड़ी व्यवस्था

- लैब-वार्ड खाली; डॉक्टर-इंटर्न ने संभाला मोर्चा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में संविदा कर्मियों के बाद मंगलवार से स्वास्थ्य कर्मचारी भी हड़ताल पर चले गए हैं। इसके चलते अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था बिगड़ गई है। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लैब टैक्नीशियन से लेकर स्टाफ नर्स तक काम छोड़कर चले गए हैं। इसके बाद मरीजों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल अधीक्षक से लेकर सभी सीनियर डॉक्टर, इंटर्न और जूनियर डॉक्टरों ने मोर्चा संभाल रखा है। यहां तक कि मरीजों की परेशानी को देखते हुए फैकल्टी ने भी काम करना शुरू कर दिया है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मंगलवार से अपनी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के उप प्रान्ताध्यक्ष अजय प्रताप सिंह परिहार ने बताया कि, शासन को स्वास्थ्य विभाग के नियमित एवं संविदा कर्मचारियों की समस्या के निदान के लिए बारबार निवेदन और आवेदन किया गया। इसके बाद भी शासन की ओर से कर्मचारी हित में कोई सार्थक पहल नहीं की गई है। जिसके कारण अनिश्चत आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ रहा है।

कर्मचारियों का कहना है कि, बस्तर जिले में चिकित्सक से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत पद के विरूद्ध कई पद रिक्त हैं। इसके बावजूद भी स्वास्थ्य कर्मी पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहें है। स्वास्थ्य विभाग का कार्य राज्य स्तर पर भी सराहा जाता रहा है। मलेरिया उन्मूलन की दिशा में अच्छे कार्य की वजह से रोग का फैलाव कम हुआ है। कोविड काल में भी चिकित्सक और पेरामेडिकल स्टाफ ने जी जान से काम किया, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी।

कर्मचारियों की इस हड़ताल में नियमित और अनियमित दोनों कर्मचारी शामिल हैं। इसमें संविदा, एनएचएम, डीएमएफटी और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं। जिसके कारण मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक और प्राथमिक व उप स्वास्थ्य केन्द्र में पूरी तहत से काम बंद रहने की बात कही गई है। वहीं हड़ताल को लेकर कर्मचारियों में गुटबाजी भी दिखाई दी। कई लोगों ने इस हड़ताल में जाने से मना कर दिया। जिसके कारण अधिकतर स्टाफ नर्स ने अपनी ड्यूटी बखूबी निभाई। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू ने हर वार्ड का निरीक्षण किया।

व्यापारियों एवं व्यावसाईयों को जीएसटी जमा करने के लिए करें प्रेरित: सिंहदेव

- पहली तिमाही में इस वर्ष के कुल लक्ष्य का करीब 21 प्रतिशत कर संग्रहण, सिंहदेव ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

रायपुर। वाणिज्यिक कर मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज रायपुर के नवीन विश्राम भवन में विभागीय काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों एवं व्यावसाईयों को जीएसटी जमा करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कर संग्रहण से राज्य का विकास जुड़ा हुआ है। अतः लक्ष्य के अनुरूप जीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार इसका संग्रहण करें। श्री सिंहदेव ने बैठक में जीएसटी के डिवीजन और सर्किलवार संग्रहण के साथ-साथ इसके सेक्टरवाइज प्राप्तियों की भी समीक्षा की। वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, आयुक्त श्री रितेश अग्रवाल और विशेष आयुक्त श्री टी.एल. ध्रुव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

वाणिज्यिक कर मंत्री श्री सिंहदेव ने चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के मुताबिक जहां कर संग्रहण में कमी है, वहां कमियों-खामियों को दूर कर राजस्व संग्रहण बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में कर संग्रहण की समीक्षा के लिए आगामी अगस्त और सितम्बर माह में भी विभागीय बैठक आयोजित करने को कहा। श्री सिंहदेव ने बैठक में जीएसटी अधिनियम के तहत व्यापार-व्यवसाय से जुड़े अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन करने के निर्देश दिए। इससे राज्य का कर आधार बढ़ेगा और राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अभी जीएसटी के अंतर्गत कुल एक लाख 73 हजार डीलर पंजीकृत हैं। इनमें से 15 हजार पांच करोड़ से अधिक टर्न-ओवर वाले डीलर हैं। वहीं कंपोजिशन का लाभ लेने वाले डीलरों की संख्या 35 हजार है। वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने बैठक में विभागीय अधिकारियों को ज्यादा जीएसटी जमा करने वाले टॉप 100 डीलरों से इसकी प्राप्ति की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन कमोडिटी क्षेत्रों में कर संग्रहण अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उन क्षेत्रों में इसकी वसूली की गहन समीक्षा करने को कहा।

वाणिज्यिक कर विभाग के आयुक्त श्री रितेश अग्रवाल ने बैठक में बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में 22 हजार करोड़ रूपए कर संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। इस वर्ष की पहली तिमाही (1 अप्रैल 2023 से 25 जून 2023 तक) में 4512 करोड़ 35 लाख रूपए का कर संग्रहण कर लिया गया है जो पूरे वर्ष भर के लक्ष्य का करीब 21 प्रतिशत है। श्री अग्रवाल ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश में कर संग्रहण में 2929 करोड़ 89 लाख रूपए की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2021-22 की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 17808 करोड़ 66 लाख रूपए की कर वसूली हुई है जबकि 2021-22 में 14878 करोड़ 77 लाख रूपए की राजस्व प्राप्ति हुई थी।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इस साल पहली तिमाही में पिछले वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में गुड्स सेक्टर के अंतर्गत सौर ऊर्जा सेक्टर में 150 प्रतिशत, नॉन-फेरस मेटल्स में 109 प्रतिशत, निर्माण अधोसंरचना में 20 प्रतिशत, इलेक्ट्रिक्ल्स में चार प्रतिशत, टायर्स एवं ट्यूब्स में दस प्रतिशत तथा फॉर्मास्यूटिकल्स एंड मेडिसीन में 56 प्रतिशत ज्यादा जीएसटी प्राप्त हुआ है। वहीं सर्विस सेक्टर के तहत वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट सेक्टर में 38 प्रतिशत, मानव संसाधन में चार प्रतिशत, बीमा में 11 प्रतिशत, शासकीय क्षेत्र में 15 प्रतिशत तथा दूरसंचार, पोस्टल व कुरियर सेवा में 324 प्रतिशत अधिक राजस्व पहली तिमाही में पिछले साल की तुलना में प्रदेश को मिला है। समीक्षा बैठक में वाणिज्यिक कर विभाग के अपर आयुक्त श्री टी.आर. धुरवे और श्रीमती नीलिमा तिग्गा सहित सभी डिवीजन और सर्किल के अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह आज राजधानी में

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 5 जुलाई को शाम करीब 6 बजे रायपुर पहुंचेंगे। उनके इस दौरे के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। पुराने और नए नेताओं में तालमेल न होने की वजह से पार्टी कमजोर हो रही है। इसकी पुष्टि शाह की टीम ने पहली सर्वे रिपोर्ट में किया है। इसके बाद ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से छत्तीसगढ़ की कमान अपने हाथों में ले ली है।

वे गुरुवार की शाम को आने के बाद प्रदेश के पांच बड़े पुराने नेताओं के साथ एक बड़ी बैठक करेंगे। इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर बात होगी। ये पांच नेता कौन हैं। हालांकि अभी तक इसके केवल कयास ही लगाए जा रहे हैं। इनकी लिस्ट शाह की टीम चार जुलाई की शाम को भेजेगी।

6 जुलाई को करीब सुबह 11 बजे वे कार्यालय से ही वापस लौट जाएंगे। बताया जा रहा है कि अमित शाह भाजपा कुशाभाऊ ठाकरे प्रदेश कार्यालय आएंगे। यहीं पर एक रात रुकेंगे, उनके और सहयोगियों के लिए 8 कमरे तैयार किए जा रहे हैं। अमित शाह की एक टीम रायपुर पहुंच चुकी है।

उन्होंने कार्यालय में कमान भी संभाल ली है। बताया जा रहा है कि उनके पास लगातार नई और पुरानी टीम के बीच तालमेल न होने की शिकायतें पहुंच रही थी। हाल ही में हुए कुछ कार्यक्रम में इस तरह के गैप को नोटिस भी किया। कई और गंभीर शिकायत पत्र भी शाह के कार्यालय में भेजे गए। उसमें कुछ शिकायतों की जांच शाह ने अपने स्तर पर करवाई है। वे जांच रिपोर्ट साथ लेकर आएंगे।

शाह की 150 लोगों की टीम पिछले एक महीने से छत्तीसगढ़ में काम कर रही है। 4-5 दिन पहले इस टीम में कुछ लोग और जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि शाह की टीम ने एक प्राइमरी सर्वे भी कराया है। इसमें भाजपा की स्थिति बहुत बेहतर नहीं आई है। जिन सीटों पर खराब स्थिति है, उनकी समीक्षा भी की जाएगी।

दिग्गजों के दौरे से दे रही बड़ा संदेश

लगातार भाजपा के केंद्रीय मंत्री और दिग्गज नेताओं के दौरों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार छत्तीसगढ़ उनकी पहली प्राथमिकता में है। 22 जून को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुर्ग में आमसभा को संबोधित किया था। 1 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बिलासपुर में जनसभा में शामिल होने आए। खुफिया एजेंसियां भी हैं सक्रिय - छत्तीसगढ़ में ईडी और आईबी जैसी खुफिया एजेंसियां कुछ महीनों से सक्रिय हो गई है। बताया जा रहा है कुछ दिनों से आईबी के आईजी लेवल के एक अधिकारी भी रायपुर में डेरा डाले हुए हैं। इसके अलावा ईडी के भी कई बड़े अधिकारी रायपुर में हैं।

पीएम मोदी के साथ मंच पर हो सकते हैं 4 केंद्रीय मंत्री

साइंस कॉलेज मैदान में 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चार केंद्रीय मंत्री भी मंच पर हो सकते हैं। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के रायपुर आने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि एक-दो केंद्रीय मंत्री छह जुलाई की शाम को भी पहुंच सकते हैं। पांच को केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी दो दिन के दौरे पर आ रहे हैं, लेकिन वे 6 की सुबह ही वापस लौट जाएंगे।

विशाल जनसभा की तैयारियों का निरीक्षण

रायपुर। 7 जुलाई को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विशाल जन सभा की तैयारियों का निरीक्षण करने प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद सुनील सोनी, महामंत्री केदार कश्यप , ओपी चौधरी , कोषाध्यक्ष नंदन जैन,सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल सोशल मीडिया सह प्रभारी मितुल कोठारी ने साइंस कॉलेज मैदान जाकर निरीक्षण किया।

कर्मचारियो के हड़ताल का स्वास्थ्य विभाग की सेवाओ पर प्रभाव नहीं

■ **स्वास्थ्य विभाग ने पहले से सभी वैकल्पिक व्यवस्थाएं की पूरी**

रायपुर। जिले में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आव्हान पर नियमित एवं संविदा पैरामेडिकल स्टॉफ के हड़ताल में जाने से स्वास्थ्य सुविधाएं सुचारू रूप से संचालित रही। जिला रायपुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के विभाग प्रमुख मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारी संध के पूर्व सूचना के आधार पर कि दिनांक 04 जुलाई से संविदा एवं नियमित कर्मचारियों के द्वारा जिसमें प्रमुख रूप से पैरामेडिकल स्टॉफ एवं कार्यालयीन स्टॉफ द्वारा अपनी विभिन्न मांगो को लेकर अनिश्चितकालिन हड़ताल में जा रहे है। इस सूचना के आधार पर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में एवं जिले के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अभिनव मिश्रा जी के निर्देशानुसार सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजो को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इस हेतु वैकल्पिक व्यवस्था एवं आपात कालिन सेवाओं में अन्य स्टॉफ की ड्यूटी लगा ली गई है। हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य व्यस्थाओ का निरीक्षण करने आज जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अबिनाश मिश्रा ने जिला चिकित्सालय पंडरी, कालीबाड़ी एम.सी.एच. अस्पताल सहित विकासखण्डो के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो को दौरा किया गया। सीईओ ने जिला चिकित्सालय के प्रत्येक विभाग को निरीक्षण किया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अभनपुर एवं आरंग के व्यवस्थाओ पर संतोष जाहिर किया तथा इस व्यवस्था को आगे भी बनाये रखे जाने के निर्देश दिये। किसी भी स्थिति में मरीजो को कोई तकलीफ या असुविधा न हो यह सुनिश्चित किये जाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला रायपुर को दिये। सीईओ के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभागीय कार्यक्रम अधिकारियो द्वारा भी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो सहित समस्त एच.डब्ल्यू.सी. उप स्वास्थ्य केन्द्रो में स्वास्थ्य सुविधाओ को निरीक्षण किया एवं सभी जगह टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाये जैसे ओ.पी.डी.ए आई.पी.डी. प्रसव सुविधा सुचारू रूप से संचालित होना पाया गया।

जनता का धन लूटने वाले लोग, मोदी जी के आने की आहट से ही कांप उठेः चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर प्रवास पर कांग्रेस की बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस नेताओं के बौखलाहट भरे बयान बता रहे हैं कि वे बहुत परेशान हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता जानती है कि छत्तीसगढ़ का निर्माण भारतीय जनता पार्टी ने किया इसके लिए छत्तीसगढ़ वासी माननीय अटल बिहारी वाजपेई जी के आभारी हैं। लेकिन लगता है कि छत्तीसगढ़ का विरोध करने वाले कांग्रेसी यह बात भूल गए हैं। छत्तीसगढ़ की जनता के लिए मोदी जी जो धन भेजते हैं, उसमें धांधली करते हुए प्रदेश की जनता तक उसका लाभ नहीं पहुंचने देने वालों को भय सता रहा है कि मोदी जी यहां आकर सारा हिसाब पूछ लेंगे वे तो क्या करेंगे। कोई जवाब इनके पास नहीं है। श्री चंदेल ने कहा कि बीते साढ़े चार साल में मोदी जी ने प्रदेश की जनता के लिए लगातार उतना पैसा भेजा, जितना कांग्रेस नीत मनमोहन सरकार ने दस साल में नहीं भेजा था। मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ की जनता की बेहतरी और राज्य के विकास के लिए उदारता के साथ राशि भेजी।

मोदी सरकार के 9 साल में बदली भारत की दशा और दिशाः अरूण साव

■ **नृत्य के माध्यम से भारत सरकार की योजनाओं का अदभुत प्रदर्शन नया भारत उत्सव में सम्मानित हुए विजेता**

रायपुर । मोदी सरकार के 9 साल पूर्ण होने पर आयोजित नया भारत उत्सव में आज केन्द्रीय विद्यालय में नृत्य के माध्यम से भारत सरकार की योजनाओं का अदभुत प्रदर्शन किया गया । इसमें छत्तीसगढ़ी नृत्य से लेकर कत्थक, कुचिपुड़ी और डिजिटल पेमेंट पर आधारित नृत्य नाटिका शामिल है।

भारत सरकार के विभिन्न योजनओं पर आधारित प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के योजनाओं पर विभिन्न विभागों ने प्रदर्शनी लगा कर जनजागरण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं बिलासपुर सांसद अरूण साव ने कहा मोदी सरकार के 9 साल में जो बदलाव आए है उसे पूरी दुनिया महसूस कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की एवं विशेष अतिथि के रूप में माननीय सांसद श्री सुनील कुमार सोनी उपस्थित थे । अरूण साव ने कहा एक समय था जब हमें वैक्सीन मिलने में कई साल लग

जाते थे, लेकिन आज भारत न सिर्फ वैक्सीन बनाता है बल्कि दुनिया को भी वैक्सीन रूपी संजीवनी प्रदान करता है । उन्होंने कहा नई शिक्षा नीति के माध्यम से मोदी सरकार युवाओं की देशभक्ति से ओत-प्रोत नई फौज खड़ी कर रहे है। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कहा की देश में ऐसा कोई घर नहीं होगा जो मोदी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित नही है । मोदी जी ने चाहे गरीब हो या अमीर सभी के लिए कुछ न कुछ योजनाएं बनाई है। जो उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है । सांसद श्री सुनील सोनी ने कहा की आज भारत दुनिया में एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर कर सामने आया है। आज अमेरिका हो या रूस सभी देश भारत के साथ दोस्ती बढ़ाना चाहते है । यही नया भारत है।

प्रभातफेरी निकालकर भाजपा घर घर देगी मोदी की सभा का न्यौताः मूणत

रायपुर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक जनसभा का न्यौता देने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी सातों संयुक्त मोर्चा पदाधिकारी और कार्यकर्ता 6 जुलाई को प्रभातफेरी निकालकर हर घर तक जाएंगे और 6 जुलाई शाम 4:00 बजे दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम से

युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शहर में बाइक रैली निकालेंगे।पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी भाजपा मोर्चों की संयुक्त बैठक आज श्री मूणत के नेतृत्व में हुई। जिसमें सभी मोर्चों के नेता व कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बैठक में तय किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल आमसभा को रायपुर के इतिहास की सबसे बड़ी जन सभा के रूप में दर्ज कराने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करेंगे।श्री मूणत ने इस बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि सारी दुनिया की उम्मीदों के केंद्र हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ पधार रहे हैं। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए 4 साल में 2 लाख करोड़ रुपये देकर यह साबित किया है कि छत्तीसगढ़ का विकास भाजपा की प्राथमिकता है। मोदी जी की सरकार के 9 साल छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम काल हैं। यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

पीएम मोदी की सभा ऐतिहासिक होगीः शालिनी

रायपुर । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के छत्तीसगढ़ आगमन एवं राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज में आयोजित जनसभा को लेकर आज भाजपा महिला मोर्चा रायपुर ग्रामीण की आवश्यक बैठक भाजपा कार्यालय एकात्मक परिसर में आहूत की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के लोकप्रिय एवं चहेते नेता हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर 7 जुलाई को आगमन हो रहा है जिसको लेकर भाजपा महिला मोर्चा सहित पूरे प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने एवं देखने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन द्वारा दिए गए कार्यों का भाजपा महिला मोर्चा पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सभा में लोगों की अधिक से अधिक सहभागिता हो इसके लिए महिला मोर्चा की बहनों को जो दायित्व दिया गया है उसे हम पूरी जिम्मेदारी के साथ वहन करेंगे। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की यह सभा ऐतिहासिक एवं अद्वितीय होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सफलता पूर्ण 9 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण का कार्य चल रहा है। जिसके तत्वाधान में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय नेत्रीओं का तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास भी होगा।

अमित, मोदी की सभा में भीड़ जुटाने छत्तीसगढ़ आ रहेः ठाकुर

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अचानक छत्तीसगढ़ दौरा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा के लिए भीड़ जुटाने के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे

हैं भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने मान लिया है कि छत्तीसगढ़ के नेता मोदी की सभा कराने में अक्षम है क्योंकि प्रदेश की जनता का विश्वास वो खो चुके हैं भाजपा संगठन में गुटबाजी चरम सीमा पर है कार्यकर्ता और नेताओं के बीच में तलवारे खींच हुई है प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष की भाजपा नेता और कार्यकर्ता सुन नहीं रहे हैं।ऐसे में मोदी की सभा में भीड़ नहीं होने की आशंका के चलते ही अमित शाह छत्तीसगढ़ आकर भीड़ इकट्ठा करने और भीड़ इकट्ठा करने नेताओं को दी गई जिम्मेदारी पर नजर रखेंगे।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी के पहले जितने भी केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेताओं की जो सभा छत्तीसगढ़ में हुई है सब असफल हो गई है। भाजपा के द्वारा झूठ बोलकर मनगढ़ंत आरोप लगाकर कर राज्य सरकार के खिलाफ जो आंदोलन किया गया सब की हवा निकल गई। भाजपा संगठन के बुथ में 100 दिन, टिफिन पर चर्चा, भात पर बात, खेत सत्याग्रह, सम्पर्क समर्थन अभियान सब की हवा निकल गई।इन कार्यक्रमो में जनता तो दूर की बात भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी शामिल नहीं हुए। मोदी सरकार के गलत नीतियों से हर वर्ग में खासा नाराजगी है।

भारजपा राष्ट्रहित और जनता हित के कार्य करती है : केदार

रायपुर। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के छत्तीसगढ़ दौरे पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को उसकी निराशा का प्रकटीकरण करार देते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि भाजपा का छत्तीसगढ़ संगठन खत्म हो गया है इसलिए राष्ट्रीय नेता आ रहे हैं। पहले तो कांग्रेस यह बताए कि क्या कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे छत्तीसगढ़ नहीं आएंगे? अगर आएंगे तो क्या छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन खत्म हो गया होगा, तब यहां दौरा करेंगे? जब रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ तब देश भर के कांग्रेस नेता यहां आए। तब क्या कांग्रेस का छत्तीसगढ़ में संगठन खत्म हो गया था? इसका जवाब कांग्रेस तुरंत दे। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित और जनता हित के कार्य करती है और अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच ले जाती है। राहुल गांधी की तरह हम छत्तीसगढ़ की जनता से मुंह नहीं छुपाते।छत्तीसगढ़ के चुनाव में राहुल वादे कर गए। वादे पूरे नहीं हुए और दूसरे राज्यों में कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में 200 फूड पार्क बन गए। अमेठी में कहते हैं कि उनका सपना भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में सच कर दिया। अगर ऐसा है तो राहुल छत्तीसगढ़ में आकर बतायें कि कौन सा सपना सच हो गया? पूरे छत्तीसगढ़ के कर्मचारी आंदोलित हैं। महिलाएं शराबबंदी लागू होने का इंतजार कर रही हैं।

छापों और कार्रवाइयों से बौखला गए हैं कांग्रेसी : रंजना साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता और विधायक रंजना साहू ने कहा है कि केंद्रीय जाँच एजेंसियों के छापों और कार्रवाइयों से बौखलाए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मिथ्या प्रलाप कर रहे हैं। केन्द्रीय जाँच एजेंसियों पर सवाल उठाकर मुख्यमंत्री

बघेल दरअसल भ्रष्टाचार और घोटाला करने वालों के पैरोकार बन बैठे हैं। श्रीमती साहू ने सवाल किया कि जांच एजेंसियों की कार्रवाइयों से डरे-सहमे और विचलित मुख्यमंत्री बघेल ही क्या वह 'पोलिटिकल मास्टर' हैं, जिनका जिक्र ईडी द्वारा जब्त चैट में प्रायः हुआ है?

श्रीमती साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल केन्द्रीय एजेंसियों पर सवाल उठाकर देश के संवैधानिक ढाँचे की अवमानना कर रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से मुख्यमंत्री बघेल का ऐसा राजनीतिक आचरण पद की गरिमा और संवैधानिक मर्यादा के प्रतिकूल रहा है। प्रदेश में कांग्रेस का पूरा शासनकाल 'राजनीतिक अराजकता का उत्सव काल' रहा है। श्रीमती साहू ने कहा कि केन्द्रीय जाँच एजेंसी ने ठोस साक्ष्यों के साथ भ्रष्टाचार और घोटालों को उजागर किया है। जो गलत करेगा, भ्रष्ट होगा, वह तो कार्रवाई के दायरे में आएगा ही। पर मुख्यमंत्री बघेल केंद्रीय जांच एजेंसियों को लेकर जैसा प्रलाप कर रहे हैं, उससे सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि आखिर मुख्यमंत्री बघेल ही भ्रष्टाचारियों घोटालेबाजों के सबसे बड़े पैरोकार क्यों बन बैठे हैं? श्रीमती साहू ने कहा कि इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है।

चला चली की बेला में कांग्रेस को सूझ नहीं रहा क्या करेः चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस की पत्र वार्ता पर पलटवार करते हुए कहा कि दूसरे पर बेवजह कीचड़ उछालने से खुद का कीचड़ साफ नहीं हो जाता। कांग्रेस को यह समझ में नहीं आ रहा है। साढ़े 4 साल में घोटालों का कीर्तिमान रचने वाले जब अपने दामन के दाग नहीं धो पा रहे हैं तो रोज नया आंकड़ा बताते हैं। केंद्र में भी 10 साल सरकार रही तब भी मौन रहे घोटाला हुआ होता तो जांच करवा देते ,रोज नया घोटाला बताते हैं। वह यह बताएं कि राज्य में साढ़े 4 साल से सरकार में बैठे हैं। एक भी कथित घोटाले पर जांच क्यों नहीं की। दोषियों को सजा क्यों नहीं दी। क्योंकि ऐसे कोई घोटाले हुए ही नहीं। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार पहले ही दिन से सिंडिकेट बनाकर नित्यप्रति घोटाले कर रही है। भूपेश बघेल घोटालों के बादशाह हैं।ऐसे में चुनाव के 4 माह पहले कांग्रेस जब भ्रष्टाचार के आरोपों से न केवल चौतरफा घिरी है बल्कि भ्रष्टाचार के पैरोकार के रूप में जानी पहचानी जा रही है जितने लोग, जिनके घर से किलो -किलो सोना मिला, अचल संपत्तियां या मिलीं, 50 -50 लाख की नकदी मिली, जिनको जमानत नहीं मिल रही है, मतलब लूट में हिस्सा है? मुख्यमंत्री स्वयं भी उनके वकील हैं। जब वे अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब नहीं दे पा रहे तो रोज कीचड़ उछालने में लगे हैं। बेवजह के आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले हाईलेवल मीटिंग

रायपुर। रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री आवास में मंगलवार शाम हलचल बढ़ गई। अचानक वीआईपी गाड़ियों का आना-जाना शुरू हो गया। खबर आई कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में शामिल होने रायपुर के एसएसपी प्रशांत अग्रवाल और प्रदेश के डीजीपी अशोक जुनेजा भी पहुंचे। कुछ देर बाद प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी मुख्यमंत्री आवास के अंदर जाते दिखाई दिए। एसीएस सुब्रत साहू और रायपुर आईजी अजय यादव भी कुछ देर बाद भीतर गए।

मुख्यमंत्री आवास में बनाए गए कार्यालय में इन अधिकारियों को बिठाया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी यहां पहुंचे, शुरुआत में उन्होंने सभी अधिकारियों से हालचाल पूछा और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर चर्चा शुरू की। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर ही बुलाई गई थी,

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से शासकीय कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी ली।

दरअसल, 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइंस कॉलेज ग्राउंड में कार्यक्रम होना है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेलवे, हाईवे से जुड़ी कुछ परियोजनाओं की शुरुआत भी कर सकते हैं। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था, लोगों के आवाजाही, ट्रैफिक सिस्टम को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों से बातचीत की। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने अफसरों से दिल्ली से क्क्रू के साथ आ रहे अन्य अधिकारियों के बारे में चर्चा की।

कहा था बुलाएंगे तो जाउंगा

दो दिन पहले पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, शासकीय कार्यक्रम है और अगर इसकी सूचना आएगी तो वे भी पीएम मोदी का स्वागत करने जाएंगे और कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके साथ ही कहा कि, बीजेपी के जितने नेता आ रहे हैं, सभी झूठ बोलकर जा रहे हैं।भूपेश बघेल ने कहा था, पिछली बार जब रावघाट रेल परियोजना का उद्घाटन हुआ था, तब सूचना भी नहीं दी गई थी और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। उसमें भी आमंत्रण नहीं दिया गया था। अगर बुलाएंगे तो शैतान के घर भी जाएंगे और नहीं बुलाएंगे तो भगवान के घर भी नहीं जाएंगे। खबर है कि क्क्रू के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी शामिल होंगे।

प्रशिक्षण शिविर में सिखाएं चुनावी गुण

रायपुर।छत्तीसगढ़ में चुनाव होने वाले हैं इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। कांग्रेस उत्तर विधानसभा सीट को पुनः जीतने के लिए तैयारी कर रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर रही है। प्रशिक्षण शिविर में चुनाव जीतने की रणनीति बन रही है। इसी कड़ी में मंगलवार 4 जुलाई को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में उत्तर विधानसभा का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया प्रशिक्षण शिविर सुबह 10:00 बजे से शुरू होकर शाम 5:00 बजे तक चलता रहा।

वर्चुअल रूप से मुख्यमंत्री भूपेष बघेल तथा प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम जी ने मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण शिविर में सीएम के सलाहकार राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने बूथ मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण दिया। मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा ने कांग्रेस के इतिहास व कांग्रेस के अब तक हुए नेताओं के बलिदान पर विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ नेता सुरेंद्र शर्मा ने भूपेश सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और इस से हो रहे फायदों को बताया जयवर्धन बिस्सा एवं आयुष पांडे ने सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने व भाजपा के द्वारा दुष्प्रचार का जवाब देने के तरीके बताएं।प्रशिक्षण शिविर में प्रभारी प्रतिमा चंद्राकर विधायक व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय विधायक कुलदीप जुनेजा महापौर एजाज ढेबर सभापति प्रमोद दुबे शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ब्लॉक अध्यक्ष दीपा बग्गा अरूण जंघेल पार्षद कामरान अंसारी अंजनी विभार सुनील भुवाल रितेश त्रिपाठी सुंदर जोगी बंटी होरा अमितेश भारद्वाज अनवर हुसैन शीतल कुलदीप गोगा पुरुषोत्तम बेहरा आकाश तिवारी जी.श्रीनिवास जोन प्रभारी सेक्टर प्रभारी वार्ड अध्यक्ष शहर कांग्रेस के नेता गण शामिल हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.